page 1 and 8 July 20_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/20/2026 12:50 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 लखनपुर यात्री सुविधा केंद्र में भजन संध्या का आयोजन

5 पीवी सिंधु ने जीता जापान ओपन का खिताब, अकाने यामागुची को हराया

8 श्री अमरनाथ जी यात्रा- इतिहास, वर्तमान व्यवस्था और सुविधा

मौसम जम्मू न्यूनतम 22 अधिकतम 29

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-181 | जम्मू तवी, सोमवार 20 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पुंछ-राजौरी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही, 11 लोगों की मौत, कई लापता

जम्मू, 19 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी में रविवार को मूसलाधार बारिश के कारण आए भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने भारी तबाही मचा दी। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सात अन्य लापता हैं। लापता लोगों की तलाश के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार सबसे अधिक तबाही पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील में हुई, जहां अधिकांश लोगों की मौत हुई। लगातार बारिश और क्षतिग्रस्त सड़कों के बीच राहत एवं बचाव दल समय के खिलाफ संघर्ष करते हुए लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जो राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली गए हुए थे, ने जम्मू संभाग के कई हिस्सों में बिगड़ते हालात को देखते हुए अपना दौरा बीच में ही समाप्त कर रविवार दोपहर जम्मू लौटने का फैसला किया। उधर, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारिश और फ्लैश फ्लड से प्रभावित जिलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि रविवार तड़के सुरनकोट के लोअर मुर्रा गांव में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से एक मकान मलबे में दब गया। उस समय घर में मौजूद सभी आठ लोग मलबे के नीचे दब गए। मलबे से अब तक दो वर्षीय सोफियान यासिर सहित पांच लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि शेष लापता लोगों की तलाश जारी है। इसी बीच सांगला गांव में अचानक आई बाढ़ के कारण एक मकान बह जाने से एक ही परिवार के चार सदस्य लापता हो गए। लापता लोगों की पहचान अब्दुल हमीद, उनकी पत्नी शरीफा बेगम, बेटी अरीबा और बहन मनीरा बेगम के रूप में हुई है। नूनाबंदी गांव में मकान गिरने से 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हाफिज और दो से छह वर्ष आयु के तीन बच्चों को घायल अवस्था में मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। संगलानी-सुरनकोट में मकान गिरने से 22 वर्षीय शाहज़ैब अहमद की जान चली गई, जबकि मरहोट क्षेत्र में इरम नामक एक नाबालिग लड़की नाले में बह गई। इसके अलावा धुंदक लाथूंग पुल के निकट एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव भी बरामद किया गया।अधिकारियों के अनुसार पुंछ जिले की हवेली तहसील में करीब आधा दर्जन मकान ढहने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं राजौरी शहर में लगातार रातभर हुई बारिश के बाद आई फ्लैश फ्लड के बीच एक नदी से भी एक महिला का शव बरामद किया गया। बाढ़ का पानी निचले इलाकों में भर जाने के कारण सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

अधिकारियों ने बताया कि उफनती नदियों और नालों के किनारे टूटने से दर्जनों वाहन बह गए या पानी में डूब गए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

स्थानीय प्रशासन की सहायता से राहत एवं बचाव दल प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और नुकसान का आकलन करने में जुटे हुए हैं। स्थानीय कांग्रेस विधायक इफ्तिखार अहमद ने कहा कि फ्लैश फ्लड के कारण सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है।

मौसम विभाग ने 23 जुलाई तक जम्मू-कश्मीर में मध्यम से भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। शनिवार शाम से शुरू हुई लगातार बारिश के कारण राजौरी और पुंछ जिलों में नदियां और नाले उफान पर आ गए, जिससे हालात और गंभीर हो गए। राजौरी के विधायक इफ्तिखार अहमद, जो रविवार को जम्मू में राज्य का दर्जा बहाल करने के समर्थन में अपनी पार्टी के प्रदर्शन में शामिल होने वाले थे, बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र लौट गए।

बाढ़ की स्थिति पर गृह मंत्री अमित शाह ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से की बात

नई दिल्ली, 19 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से फोन पर बातचीत कर राजौरी जिले में रातभर हुई भारी बारिश के बाद उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर मौजूद गृह मंत्री अमित शाह ने प्रभावित लोगों की सुरक्षा और राहत के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

उपराज्यपाल ने राजौरी और पुंछ में राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की

श्रीनगर, 19 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लगातार हो रही बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद राजौरी एवं पुंछ जिलों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की।

उपराज्यपाल स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने दोनों जिलों के उपायुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा आपातकालीन दल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। उपराज्यपाल ने लोगों से शांति बनाए रखने और केवल आधिकारिक सूचनाओं का ही पालन करने की अपील की।

खबर संक्षेप

बनिहाल में गाड़ी खाई में गिरी, एक की मौत, चार घायल

बनिहाल, 19 जुलाई । रविवार सुबह रामबन ज़िले के खारी बनिहाल इलाके में आरामडाका के पास पहाड़ी मांगित रोड पर एक गाड़ी सड़क से उतरकर खाई में गिर गई जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा सुबह हुआ जब मांगित से बनिहाल जा रही एक ऑल्टो कार आरामडाका के पास पहाड़ी रास्ते पर एक मोड़ काटते समय सड़क से उतरकर खाई में गिर गई। उन्होंने बताया कि गाड़ी में सवार सभी लोगों को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए उप-ज़िला अस्पताल बनिहाल ले जाया गया जहाँ अली मोहम्मद लोन के बेटे गुलाम मोहम्मद लोन (50) को मृत घोषित कर दिया गया।

अन्य चार घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों की पहचान मोहम्मद इशाक पुत्र अब्दुल रहमान खांडे, मोहम्मद रफीक पुत्र अब्दुल रशीद, नवाज़ अहमद पुत्र अब्दुल अहद और ज़बा बेगम पत्नी अब्दुल अहद के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और आगे की जांच जारी है।

बीजेपी ने 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन को टालने का फ़ैसला किया है :सुनील शर्मा

श्रीनगर, 19 जुलाई। विधानसभा में विपक्ष के नेता व प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा ने रविवार को कहा कि राजनीति बाद में हो सकती है और इंसानियत सबसे पहले आनी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में 20 जुलाई को होने वाले अपने प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को टालने का फ़ैसला किया है क्योंकि पुंछ और राजौरी ज़िलों में अचानक आई बाढ़ से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। श्रीनगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि पार्टी ने कल होने वाले विरोध प्रदर्शन को टालने का फ़ैसला किया है। यह प्रदर्शन घंटा घर, लाल चौक से शुरू होकर सिविल सचिवालय पर खत्म होना था लेकिन मौजूदा हालात में राजनीतिक गतिविधियों के बजाय मानवीय मदद की ज़रूरत है।

शर्मा ने कहा कि यह राजनीतिक टकराव का समय नहीं है और सभी राजनीतिक दलों को प्रभावित लोगों की मदद के लिए एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति बाद में हो सकती है। इस समय इंसानियत सबसे पहले है और हर राजनीतिक दल को पीड़ितों के साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी का केंद्रीय और जम्मू कश्मीर नेतृत्व साथ ही पार्टी कार्यकर्ता इस त्रासदी से बहुत दुखी हैं और उन्होंने विरोध प्रदर्शन करने के बजाय प्रभावित लोगों के साथ खड़े होने का संकल्प लिया है।

पुंछ में फ्लैश फ्लड से हुई जनहानि पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक, जम्मू पहुंचकर स्वयं करेंगे स्थिति की निगरानी

जम्मू, 19 जुलाई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पुंछ जिले में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), पुलिस तथा अन्य संबंधित एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटी हुई हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों तक हरसंभव सहायता बिना किसी देरी के पहुंचाई जाए।

मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी तथा जम्मू संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आज दोपहर दिल्ली से जम्मू रवाना होंगे और स्वयं मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वह प्रभावित क्षेत्रों के स्थानीय विधायकों के साथ लगातार संपर्क में हैं और राहत कार्यों के समन्वय के लिए स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, स्थिति अभी भी विकसित हो रही है, लेकिन प्रशासन की पहली प्राथमिकता लोगों के अनमोल जीवन की रक्षा करना है। भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से जिन लोगों को जानमाल का नुकसान हुआ है, उनकी हरसंभव सहायता सरकार करेगी।

उन्होंने दोहराया कि सरकार पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर रखे हुए है और सभी प्रभावित क्षेत्रों में राहत, बचाव तथा पुनर्वास कार्य तेजी और प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किए जाएंगे।

प्रभावित परिवारों तक बिना किसी देरी के हरसंभव सहायता पहुंचाने के दिए निर्देश

मौसम की चेतावनी के बीच अमरनाथ और माता वैष्णो देवी यात्राएं रोकी गईं

जम्मू, 19 जुलाई। मौसम विभाग की तरफ से जारी खराब मौसम की चेतावनी के बीच अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर श्री अमरनाथ और श्री माता वैष्णो देवी यात्राओं को कुछ समय के लिए रोक दिया है।

हालांकि शनिवार को भी श्री अमरनाथ यात्रा जारी रही जिसमें 16,039 तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए। इसके साथ ही 3 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 3,76,779 हो गई है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार शनिवार को पूजा करने वालों में 11,785 पुरुष तीर्थयात्री, 3,527 महिला तीर्थयात्री, 235 बच्चे, 103 साधु, 19 साध्वियां, पांच ट्रांसजेंडर श्रद्धालु और 365 सुरक्षाकर्मी शामिल थे।

इस बीच, 3,632 तीर्थयात्रियों का 17वां जत्था शनिवार तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ था और कश्मीर पहुंचा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई एम डी) द्वारा खराब मौसम की चेतावनी जारी किए जाने के बाद अधिकारियों ने रविवार 19 जुलाई से पहलगाम और बालटाल दोनों रास्तों से अमरनाथ यात्रा को कुछ समय के लिए रोक दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह फ़ैसला तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और भलाई को ध्यान में रखते हुए एहतियाती उपाय के तौर पर लिया गया है। बयान में कहा गया है कि अगले कुछ दिनों में खराब मौसम की भविष्यवाणी और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा व भलाई को देखते हुए श्री अमरनाथजी यात्रा को 19 जुलाई 2026 से पहलगाम और बालटाल दोनों रास्तों से कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग ने कहा कि रविवार से बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी बेस कैंप से तीर्थयात्रियों को आगे जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने कहा कि यात्रा तभी फिर से शुरू होगी जब मौसम की स्थिति का पूरी तरह से आकलन कर लिया जाएगा और यह पुष्टि हो जाएगी कि दोनों रास्ते तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित हैं।

उफनती नदियों में फंसे 14 लोगों को सुरक्षित बचाया गया

जम्मू, 19 जुलाई। जम्मू और राजौरी जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में उफनती नदियों में फंसे कम से कम 14 लोगों को रविवार को पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), सेना और नागरिक प्रशासन के संयुक्त अभियान के तहत सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों के अनुसार जम्मू में कई घंटे तक चले त्वरित और समन्वित बचाव अभियान के दौरान पुलिस और एसडीआरएफ ने पीर खो मंदिर के निकट तवी नदी में जलस्तर अचानक बढ़ जाने के कारण फंसे तीन युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि नदी में नहाने गए तीन युवक अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण बीच धारा में फंस गए हैं। बचाए गए युवकों की पहचान रनदीप सिंह, मुनीश शर्मा (दोनों जम्मू शहर निवासी) तथा उनके मित्र विकास कुमार (बिहार निवासी) के रूप में हुई है। सभी को सुरक्षित निकालकर उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया। अधिकारी ने लोगों से अपील की कि अगले चार दिनों तक मौसम खराब रहने की संभावना को देखते हुए वे विशेष रूप से तवी नदी के किनारों से दूर रहें और जलस्तर में उतार-चढ़ाव के दौरान नदी के आसपास जाने से बचें। एक अन्य बचाव अभियान में सेना, पुलिस और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने राजौरी जिले के धंगरी नदी में फंसे दो युवकों तथा थन्नामंडी क्षेत्र में फंसे नौ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों के अनुसार इस अभियान की निगरानी उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजौरी गौरव सिकारवार तथा सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने की। संयुक्त प्रयासों से सभी फंसे लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि रविवार तड़के राजौरी शहर में अचानक आई बाढ़ के बाद सेना के जवानों ने एसडीआरएफ और नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर कई जीवनरक्षक बचाव अभियान चलाए।

व्हाइट नाइट कोर ने कहा, फ्बाढ़ की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और तेज बहाव के बावजूद जवानों ने कुल 11 नागरिकों, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल थे, को सुरक्षित बचाया। इनमें थन्नामंडी के दक्षिण में चूरुंग गांव के पास बाढ़ग्रस्त नाले में फंसे नौ लोग तथा धंगरी के निकट नौशेरा तवी नदी के बीच बने टापू पर फंसे दो युवक शामिल थे। जवानों की त्वरित कार्रवाई, साहस और बेहतर समन्वय के कारण सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया

हर नागरिक को है विश्वास, संकट में साथ खड़ी है सरकार : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने किया उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मुख्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण

"सीएम ने प्राधिकरण की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया

***लखनऊ, 19 जुलाई।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) मुख्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। यह भवन 200 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया और यहां लगाई गई प्रदर्शनी व भवन का अवलोकन कर कार्यों के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि हर आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश को ऐसा राज्य बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक यह विश्वास लेकर जीवन जी सके कि संकट की खड़ी में सरकार के साथ वह भी तैयार है। यह नागरिक व राष्ट्रीय कर्तव्य का हिस्सा होना चाहिए। सीएम ने उम्मीद जताई कि यह केंद्र हर नागरिक के मन में नए विश्वास का जागरण करेगा। सीएम ने कहा कि प्राय: आपदा व जनधन की व्यापक हानि के बाद हम लोग सक्रिय होते हैं और संवेदना व्यक्त करते हैं लेकिन आपदा के प्रति पहले से सतर्कता, तैयारी व जागरूकता जनधन की हानि को न्यूनतम स्तर पर ला सकती है। दैनिक जीवन, स्कूली पाठ्यक्रम व परिवार में संवाद के जरिए इसके बचाव के बारे में बताने की आवश्यकता है। सीएम ने बचपन का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय स्कूल व परिवारों में चर्चा होती थी कि आग, भूकंप, बाढ़ के दौरान क्या सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि इन घटनाओं में असामान्य आचरण नुकसान पहुंचाता है, लेकिन जागरूकता के जरिए इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाए तो जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने घटनाओं को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति को खतरनाक बताया। उन्होंने प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि 45 हजार होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। जिन आपदा मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया है, उन्हें इस भर्ती में प्राथमिकता देंगे। होमगार्ड को भी आपदा मित्र का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिया जाएगा। यह फर्स्ट रिस्पांडर हैं। सरकार इन्हें अच्छी सुविधा, मानदेय, पांच लाख रुपये की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, घटना-दुर्घटना होने पर परिजनों को लगभग 35-40 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपये अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराती है। सीएम ने उम्मीद जताई कि सुविधाएं बोझ नहीं बननी चाहिए, बल्कि अपनी सेवा का बेहतर उपयोग समाज के लिए करना चाहिए। सीएम ने बाढ़, आकाशीय बिजली, अतिवृष्टि, अग्निकांड, भवन के धराशायी होने संबंधी प्राकृतिक व भौतिक आपदा की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने मानव-वन्य जीव द्वंद्व को भी आपदा की श्रेणी में रखकर राहत देने का कार्य किया। सीएम ने दो दिन पहले बहराइच में हुई घटना पर दुख जताया। कहा कि 12 साल के बच्चे को मगरमच्छ ने निगल लिया। सभी लोग मगरमच्छ वाले संवेदनशील क्षेत्र के साथ ही यह भी जानते हैं कि वे पूरे जीवन में चार-पांच किमी. के दायरे में ही रहता है।

मुख्यमंत्री ने बहराइच में मगरमच्छ की चपेट में आने से बच्चे की मौत पर जताया दुख सीएम की जनमानस से अपील- घटना का वीडियो बनाने के बजाय बचाव पर दें ध्यान

सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने पर पत्नी ने सरकार पर उठाए सवाल, स्वास्थ्य संबंधी दावों को बताया भ्रामक

नई दिल्ली, 19 जुलाई। जंतर-मंतर पर अनशनरत पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को शनिवार को सफदरजंग अस्पताल ले जाने की घटना को लेकर उनकी पत्नी डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा वांगचुक की बिगड़ती सेहत का हवाला देकर उन्हें अस्पताल ले जाने का दावा तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। उनके अनुसार वांगचुक के सभी चिकित्सकीय मानक सामान्य थे और यदि वास्तव में स्वास्थ्य को लेकर चिंता होती तो पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से अपनाई जाती।

रविवार को मीडिया से बातचीत में डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने कहा कि सरकार का यह कहना कि सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ रही थी, वास्तविकता से परे है। उन्होंने कहा कि शनिवार शाम तक हुई चिकित्सकीय जांच की रिपोर्ट में उनका पोटैशियम स्तर 4.3 था और अन्य सभी स्वास्थ्य मानक भी सामान्य पाए गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार वास्तव में उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थी तो सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों को भेजने के बजाय चिकित्सकों की टीम धरनास्थल पर भेजी जा सकती थी और परिवार को स्थिति से अवगत कराया जा सकता था।

डॉ. आंग्मो ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य संबंधी चिंता का तर्क केवल एक बहाना था। उनका दावा था कि प्रशासन को इस बात की आशंका थी कि यदि सोनम वांगचुक प्रस्तावित संसद मार्च शुरू करते हैं तो देशभर से बड़ी संख्या में लोग आंदोलन से जुड़ सकते हैं। इसी आशंका के चलते उन्हें धरनास्थल से हटाया गया।उन्होंने कहा कि परिवार वांगचुक का उपचार अपनी पसंद के चिकित्सकों की देखरेख में कराना चाहता है, जहां उन्हें अधिक विश्वास और सहजता महसूस हो। उन्होंने बताया कि शनिवार रात की रिपोर्ट में वांगचुक का रक्तचाप, जो सामान्यत: 110/70 रहता है, बढ़कर 125/85 दर्ज किया गया। उनके अनुसार यह वृद्धि वहां के तनावपूर्ण माहौल का परिणाम हो सकती है। उल्लेखनीय है कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे थे। शनिवार सुबह उन्हें उपचार के लिए दिल्ली पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया था। इस घटनाक्रम के बाद आंदोलन और उससे जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गए हैं। इस बीच दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सोशल मीडिया अभियान और प्रस्तावित प्रदर्शन से जुड़े कुछ मामलों में भी कार्रवाई की है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

भक्ति बिना ज्ञान हानिकारक

जो चीज हिंदू धर्म-ग्रंथों में छिट-पुट दिखाई देती है, उसे गीता ने अनेक रूपों में, अनेक शब्दों में, पुनरुक्ति का दोष स्वीकार करके भी अच्छी तरह स्थापित किया है। वह अद्वितीय उपाय है कर्मफलत्याग। इस मध्यबिंदु के चारों ओर गीता की सारी सजावट है। भक्ति, ज्ञान इत्यादि इसके आसपास तारामंडल-रूप में सज गए हैं। जहां देह है, वहां कर्म तो है ही। उससे कोई मुक्त नहीं है, फिर भी देह को प्रभु का मंदिर बना कर उसके द्वारा मुक्ति प्राप्त होती है, यह सब धर्मों ने प्रतिपादित किया है। परंतु कर्ममात्र में कुछ दोष तो हैं ही, मुक्ति तो निर्दोष की ही होती है। तब कर्मबंधन में से अर्थात् दोष-स्पर्श में से कैसे छुटकारा हो? इसका जवाब गीता ने निश्चयात्मक शब्दों में दिया है- निष्काम कर्म से, यज्ञार्थ कर्म करके, कर्मफल त्याग करके, सब कर्मों को कृष्णार्पण करके अर्थात् मन, वचन और काया को ईश्वर में होम करके। पर निष्कामता, कर्मफल-त्याग कहने भर से नहीं हो जाता। यह केवल बुद्धि का प्रयोग नहीं है। यह हृदय-मंथन से ही उत्पन्न होता है। यह त्याग-शक्ति पैदा करने के लिए ज्ञान चाहिए। ज्ञान का अतिरेक शुष्क पांडित्य के रूप में न हो जाए, इस ख्याल से गीताकार ने ज्ञान के साथ भक्ति को मिलाया और उसे प्रथम स्थान दिया। बिना भक्ति का ज्ञान हानिकारक है। इसलिए कहा गया- भक्ति करो तो ज्ञान मिल ही जाएगा। पर भक्ति तो सिर का सौदा है, इसलिए गीताकार ने भक्ति के लक्षण स्थितप्रज्ञ के से बतलाए हैं। तात्पर्य, गीता की भक्ति बाह्याचारिता नहीं है, अंधश्रद्धा नहीं है। गीता में बताए उपचार का बाह्य चेष्टा या क्रिया के साथ कम-से-कम संबंध है। जो किसी का द्वेष नहीं करता, जो करुणा का भंडार है, जो निरहंकार है, जिसे सुख-दुख शीत-उष्ण समान हैं, जो क्षमाशील है, जिसके निश्चय कभी बदलते नहीं, जिसने मन और बुद्धि ईश्वर को अर्पण कर दिए हैं, जो लोगों का भय नहीं रखता, जो शुभाशुभ का त्याग करने वाला है, जो शत्रु-मित्र पर समभाव रखने वाला है, जिसे मान-अपमान समान है, जिसे स्तुति से खुशी नहीं होती और निंदा से ग्लानि नहीं होती, जो मौनधारी है, जिसे एकांत प्रिय है, जो स्थिरबुद्धि है, वह भक्त है। यह भक्ति आसक्त स्त्री-पुरुषों में संभव नहीं है।

पन्ना बहुत फायदे का रत्न

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। इसे और भी कई नामों से जाना जाता है। संस्कृत में इसे मरकत मणि, फारसी में जमरन और अंग्रेजी में एमराल्ड कहा जाता है। पन्ना का रंग हल्का से गहरा हरा होता है।

किन-किन रंगों में पाया जाता है पन्ना

पन्ना मुख्यतः पांच रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के रंग का, पानी के रंग सा, सरेस के फूल के रंग जैसा, मोर के पंख जैसा और हल्का संदुल फूल के जैसा। पन्ना बहुत नरम रत्न है और यह कीमती भी होता है।

पन्ना धारण करने के फायदे

इसे धारण करने से अनिश्चितता निश्चितता में बदल जाती है। स्टूडेंट अगर इसे धारण करते हैं तो बुद्धि तेज हो जाती है। रोगियों के लिए पन्ना बलवर्धक, अरोग्यदायक और सुख देने वाला होता है। जिस घर में पन्ना होता है वहां अन्न-धन की वृद्धि, सुयोग्य संतान और भूत प्रेत की बाधा शांत होती है। सांप का भय भी नहीं रहता। नेत्र रोगों के लिए पन्ना बहुत लाभदायक है। इस रत्न को पांच मिनट सुबह सुबह एक गिलास पानी में घुमाएं और फिर आंखों पर वो पानी छिड़का जाए तो आंखों को लाभ मिलता है।

किन परिस्थितियों में धारण करें पन्ना

- पन्ना अगर मिथुन लग्न वाले धारण करें तो पारिवारिक परेशानियों से राहत मिल सकती है। माता का स्वास्थ ठीक रहता है। जनता से संबंधित कामों में सफलता मिलती है।
- कन्या लग्न वाले व्यक्ति भी पन्ना पहनकर राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं अगर कन्या लग्न वाले बेरोजगार हैं तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- अगर किसी के जन्म लग्न में बुध छठे, आठवें, 12वें भाव में हो तो वे पन्ना पहन सकते हैं।
- बुध अगर नीच मीन राशि का हो तो वह भी पन्ना पहन सकते हैं।
- अगर बुध धनेश होकर नवम भाव में हो, तृतीयेश होकर दशम भाव में हो, चतुर्थेश सुखेश होकर आय एकादश स्थान में हो तो पन्ना पहनना अत्यंत लाभकारी होता है।
- बुध अगर सप्तमेश होकर दूसरे भाव में हो नवमेश चतुर्थ भाव में हो, एकादशेश होकर छठे भाव में हो तो पन्ना अवश्य पहनना चाहिए।
- अगर बुध शुभ स्थान का स्वामी होकर अष्टम भाव में हो तो पन्ना पहनना शुभ रहता है।
- अगर बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो तो पन्ना अवश्य पहनें।
- अगर जन्म कुंडली में शुभ भाव 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 और 11वें भाव का स्वामी होकर छठे भाव में हो तो पन्ना पहनना श्रेष्ठ रहेगा।
- अगर बुध, मंगल, शनि और राहु या केतु के साथ स्थिति हो तो पन्ना अवश्य पहनें।
- अगर बुध पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना जरूर पहनना चाहिए।
- बुध अगर लग्नेश होकर चतुर्थ, पंचम या नवम भाव में शुभ ग्रहों के साथ हो तो पन्ना हितकर रहेगा।

कब और कैसे करें धारण

पन्ना बुधवार के दिन अश्लेषा, ज्येष्ठा या रेवती, नक्षत्र हो उस दिन सूर्योदय से लगभग 10 बजे तक पन्ना पहन सकते हैं। पन्ना हमेशा सोने में शुभ घड़ी में बनाकर ही पहनें। पन्ना कम से कम तीन कैरेट का होना चाहिए और उससे अधिक हो तो उत्तम रहेगा।

फेंगशुई टिप्स

घर में सुख शांति और प्यार के लिए करें ये उपाय

फेंगशुई में घर की शांति के लिए कई टिप्स बताए गए हैं। जानकार कहते हैं कि वास्तु की तरह ही फेंगशुई से घर में शांति,सुकून का वास होता है। साथ ही कलह से मुक्ति भी मिलती है। फेंगशुई में विंड चाइम,लॉफिंग बुद्धा,प्लास्टिक के फूल, कछुआ, जहाज, सिक्कों आदि का बहुत अधिक महत्व है। इन्हें अपने घर या कार्यस्थल में किसी निर्धारित दिशा में रखकर आप अपना व्यवसाय बढ़ा सकते हैं और शांति-सुकून भी पा सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही कारगार टिप्स के बारे में।

डाइनिंग रूम में न रखें टीवी

फेंगशुई के जानकार मानते हैं कि डाइनिंग रूम में टीवी नहीं रखना चाहिए। यह स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक नहीं होता।

पुराना कबाड़ पैदा करता है कलह

वास्तु और फेंगशुई के जानकार कहते हैं कि घर में पुराना कबाड़ व बेकार चीजें नहीं रखनी चाहिए इससे परिवार में कलह पैदा होता है। खासतौर से शादीशुदा जोड़े को तो अपने पलंग के नीचे पुराना कबाड़ बिल्कुल नहीं रखना चाहिए।

यह होता है शुभकारी

ड्रॉइंग रूम के प्रवेश द्वार के कोने पर दाएं हाथ की ओर 6 छड़ वाली विंड चाइम लटकाना शुभकारी होता है। फेंगशुई के अनुसार ऐसा करने से परिवार में हमेशा खुशियां रहती हैं।

बेडरूम में रखें लव बर्ड्स

बेडरूम में लव बर्ड्स या बत्तख के जोड़ों के चित्र रखने से दंपति के संबंध मधुर बनते हैं। लॉफिंग बुद्धा की मूर्ति ड्राइंग रूम में ठीक सामने रखें,ताकि घर में प्रवेश करते ही आपकी नजर सबसे पहले उस मूर्ति पर पड़े।

लगाएं गोलाकार डाइनिंग टेबल

गोल आकार वाली डाइनिंग टेबल फेंगशुई में शुभ मानी जाती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि टेबल के साथ लगी कुर्सियों की संख्या कम होनी चाहिए।

होते हैं कुछ लोग जिन्हें लगता है कि जीवन में खुशी है ही नहीं। बेचैनी रहती है कि सब जल्दी से ठीक हो जाए, पर घबराहट में कुछ ऐसा कर बैठते हैं जो उन्हें खुशी से दूर ले जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो जानें कौन सी बातें हैं जो दुख का कारण हो सकती हैं।

आदतें जो नहीं रहने देतीं खुश

समय व्यर्थ करना

घंटों टीवी देखने, वीडियो गेम्स खेलने, सोशल साइट्स खंगालते रहने में भले ही आपको उपलब्धि महसूस होती हो, पर इसमें समय भी नष्ट होता है। कौन दोस्त क्या पहन और खा रहा है ये देखते रहना, टीवी के सामने बैठे-बैठे खाना और फिर वहीं सो जाना, घंटों फोन पर चुगली व गॉसिप करते रहना आदि काम आपके जरूरी समय को बेकार में जाया कर देते हैं।

खराब का आकर्षण

सकारात्मक चीजों या बातों से भागना, सही पक्ष को देखने की कोशिश न करना। केवल कमियां देखना, गुण नहीं। हर सुझाव, सलाह और कार्य में खराबी देखना, अपने अभावों और बुरी बातों के लिए खुद को कोसते रहना। ऐसी बातों की लंबी लिस्ट है, जो आपको आगे बढ़ने से रोक देती है।

तुरंत आपा खोना

बार-बार क्रोध करने की आदत केवल दूसरों को नहीं आपको भी दुखी करती है। पर आप हैं कि उसे अपना हथियार मान लेते हैं। दूसरों की सुने बिना अपनी ही अपनी कहते रहते हैं। जो मन में आया बोल दिया। दूसरों की उपेक्षा और उन्हें नीचा दिखाने में जीत का अनुभव अंततः आपको सबसे दूर कर देता है।

खुद को प्यार न करना

दूसरों में ही नहीं, खुद में भी बस कमियां ही कमियां देखना। शीशे में अपना चेहरा देखकर दुखी रहना। खुद पर विश्वास न करना। इतने ऊंचे मानक बना लेना कि काम को 100त्न सफलता न मिलने पर उसे अपनी हार मान लेना। याद रखें कि खुद को गलतियां करने की छूट न देना कुछ नया नहीं सीखने देता।

शिकायत करना

बीते समय में किसी ने आपके साथ क्या बुरा किया, खुद को उसे भूलने ना देना। दूसरे को माफ करने जैसी बातों के बारे में सोचना तक नहीं, हर बात को अपने ऊपर कटाक्ष मानकर दुखी होना, प्रतिशोध में जलते रहना।

अकेले रहना

कहीं आपका अहं आपको दूसरों से जुड़ने से रोक तो नहीं रहा! किसी से असहमति होने पर यदि आप उससे हमेशा के लिए छोड़ देते हैं तो यह अकेलेपन की ओर ही ले जाएगा। नए लोगों से न मिलना और कुछ नहीं अपने सपोर्ट सिस्टम को कम करना है।

जिम्मेदारी से भागना

दूसरों के सहारे अपने काम सिद्ध करना, झूठ बोलना, दूसरों को धोखा देना। केवल अपना फायदा ही सोचना। अपने जीवन की जिम्मेदारी न लेना।अपनी गलतियों से कोई सबक सीखने की कोशिश न करना। हर चीज से बस बचकर निकलना और इस बात का इंतजार करना कि कोई और आपको खुशी देगा, व्यर्थ की कल्पना है। अंत में, यदि आप वाकई दुखी होना नहीं चाहते तो ऊपर लिखी बातों से बचें, क्योंकि हम दो बातों से ही सीखते हैं-एक क्या और कैसे करना है और दूसरा क्या नहीं करना है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

लखनपुर यात्री सुविधा केंद्र में भजन संध्या का आयोजन

कठुआ, 19 जुलाई (हि.स.)। श्री अमरनाथ जी यात्रा के खराब मौसम के चलते अस्थायी रूप से स्थगित रहने के दौरान श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग कठुआ ने लखनपुर यात्री सुविधा केंद्र में भजन संध्या का आयोजन किया।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक नरशोत्तम माही व उनकी टीम ने शिव स्तुति व अन्य भजनों की मधुर प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भी भजनों में भाग लेकर भक्ति भाव से झूमते हुए आनंद लिया। श्रद्धालुओं ने जिला प्रशासन कठुआ द्वारा आवास, भोजन, चिकित्सा व सुरक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की सराहना की। कार्यक्रम का समापन यात्रा की सुरक्षित व सफल संचालन की कामना के साथ हुआ।

पुलिस ने घगवाल बॉर्डर इलाके में एक व्यापक सुरक्षा अभ्यास किया

जम्मू, 19 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सार्वजनिक सुरक्षा को मज़बूत करने और ऑपरेशन के लिए हमेशा तैयार रहने की अपनी कोशिशों के तहत रविवार को सांबा ज़िले के घगवाल बॉर्डर इलाके में एक व्यापक सुरक्षा अभ्यास किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस की अगुवाई में यह ऑपरेशन नोनाथ से टप्याल तक तीन किलोमीटर के दायरे में चलाया गया। इसकी शुरुआत एक समन्वित गश्त अभ्यास से हुई जिसके दौरान रोड ओपनिंग पार्टी के जवानों को सौंपी गई ज़िम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए ज़रूरी निर्देश दिए गए। उन्होंने आगे बताया कि रणनीतिक तैयारी को और बेहतर बनाने के लिए स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप, सांबा और सीआरपीएफ की क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) ने संयुक्त रूप से कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन और रूम इंटरवेंशन अभ्यास किया।

उन्होंने कहा कि रणनीतिक अभ्यास के बाद सुरक्षा उपायों को मज़बूत करने और असामाजिक व गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए एक रणनीतिक जगह पर औचक जांच की गई। उन्होंने बताया कि तय सुरक्षा नियमों के अनुसार कई गाड़ियों को रोका गया और उनकी बारीकी से जांच की गई। पुलिस ने कहा कि मज़बूत सुरक्षा माहौल बनाए रखने, राष्ट्र-विरोधी और आपराधिक तत्वों को रोकने और ज़िले के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की क्षेत्र नियंत्रण गस्त, रणनीतिक अभ्यास और औचक जांच नियमित रूप से की जाती रहेगी।

माता उमा भगवती के मूर्ति प्रतिष्ठान दिवस की तैयारियों का उपायुक्त अनंतनाग ने लिया जायजा

सफल आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने पर दिया जोर

अनंतनाग, 19 जुलाई उपायुक्त (डीसी) अनंतनाग डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट्ट ने शनिवार को शांगस के ब्रारियांगन का दौरा कर 19 से 21 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले माता उमा भगवती के मूर्ति प्रतिष्ठान दिवस के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की।

दौरे के दौरान उपायुक्त ने मंदिर परिसर का निरीक्षण किया तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए गए प्रबंधों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, बिजली, सड़क संपर्क, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की तैयारियों का जायजा लिया।

संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए डॉ. बिलाल ने निर्देश दिए कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से पूरी कर ली जाएं तथा आयोजन की समाप्ति तक निर्बाध रूप से जारी रहें। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए अधिकारियों को चौबीसों घंटे सतर्क रहने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान उमानगरी ट्रस्ट आस्थापन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। उन्होंने उपायुक्त को आयोजन की तैयारियों से अवगत कराया। उपायुक्त ने ट्रस्ट

को प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुचारु आयोजन सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सैयद इश्फाक अहमद, अधीक्षण अभियंता जल शक्ति विभाग सरीर अहमद वानी, अधीक्षण अभियंता विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) मोहम्मद यूसुफ मीर, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ), तहसीलदार अनंतनाग, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एमसीए तथा अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

कठुआ साइबर पुलिस की बड़ी सफलता-दो मामलों में 20.53 लाख की ठगी राशि बरामद

कठुआ, 19 जुलाई (हि.स.)। जिला साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ ने साइबर ठगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में कुल 20,53,017 की राशि बरामद कर पीड़ितों को वापस दिलाई है। यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में की गई।

पहले मामले में मढ़हीन तहसील के महाराजपुर निवासी मनप्रीत सिंह से 9,95047 की ऑनलाइन ठगी हुई थी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर संबंधित खातों को फ्रीज किया और कोर्ट आदेश के बाद पूरी राशि 18 जुलाई को पीड़ित के खाते में वापस कर दी। दूसरे मामले में दिलदार सिंह निवासी कठुआ से 11 लाख की ठगी हुई थी जिसमें से 10,57,970 की राशि बरामद कर 18 जुलाई को उनके खाते में ट्रांसफर कर दी गई। यह कार्रवाई डीएसपी मुख्यालय रविंदर सिंह के नेतृत्व में की गई जिसमें टीम ने त्वरित तकनीकी जांच और बैंक समन्वय से सफलता हासिल की। गौरतलब है कि साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ अब तक कुल 2.02 करोड़ से अधिक की ठगी राशि बरामद कर चुका है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल या ऑनलाइन ठगी की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

कठुआ के एडवोकेट नितिन खजूरिया ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन पास कर बढ़ाया जिले का मान

कठुआ, 19 जुलाई (हि.स.)। कठुआ के युवा अधिवक्ता नितिन खजूरिया ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन उत्तीर्ण कर जिले का नाम रोशन किया है। यह परीक्षा अधिवक्ताओं के लिए अनिवार्य होती है जिसके बाद उन्हें देशभर की अदालतों में वकालत करने का प्रमाणपत्र प्राप्त होता है।

नितिन खजूरिया वर्तमान में जिला एवं सत्र न्यायालय कठुआ तथा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस कर रहे हैं। उनकी इस सफलता को उनकी कड़ी मेहनत, लगन और कानूनी ज्ञान का परिणाम माना जा रहा है। बार एसोसिएशन कठुआ ने इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह सफलता क्षेत्र के युवा कानून छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी है।

जेके प्राइवेट स्कूल्स कोऑर्डिनेशन कमेटी ने लंबित मुद्दों पर जताई चिंता

जम्मू, 19 जुलाई (हि.स.)। जेके प्राइवेट स्कूल्स कोऑर्डिनेशन कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को जम्मू में अध्यक्ष रमेश्वर मनहास की अध्यक्षता तथा कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. हरि दत्त शिशु के नेतृत्व में आयोजित हुई। बैठक में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों एवं निजी स्कूल संचालकों ने भाग लेकर निजी शिक्षण संस्थानों के समक्ष लंबे समय से लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में फीस नियमन, मान्यता, एनओसी, संबद्धता प्रक्रिया तथा अन्य प्रशासनिक बाधाओं को लेकर चिंता व्यक्त की गई।

रमेश्वर मनहास ने कहा कि निजी स्कूल प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं लेकिन अनेक प्रशासनिक समस्याओं के कारण उनका सुचारु संचालन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सरकार से पारदर्शी एवं सहयोगात्मक नीति अपनाने की अपील की। वहीं डॉ. हरि दत्त शिशु ने कहा कि कमेटी कई बार संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंप चुकी है लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बैठक में शिक्षा मंत्री को पूर्व में दिए गए आश्वासनों की याद दिलाते हुए लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने का आग्रह किया गया। कमेटी ने कहा कि वह रचनात्मक संवाद के माध्यम से अपने प्रयास जारी रखेगी और सरकार से निजी स्कूलों को शिक्षा व्यवस्था में भागीदार मानते हुए उनकी समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की।

बैठक में गंधर्व सिंह कटाल (कठुआ), संजीत शर्मा (महासचिव), डॉ. मुनीश गुलाटी (उधमपुर), डॉ. हितेश, बलकरण सिंह, राजेश शर्मा, महिपाल शर्मा, अजय आमला, मनिंदर सिंह सहित विभिन्न जिलों के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांबा में एक हफ़्ते के अंदर दूसरा ड्रोन हुआ बरामद

जम्मू, 19 जुलाई (हि.सं.)। जम्मू-कश्मीर के सांबा में सेना को एक ड्रोन मिला है। यह इस सीमावर्ती ज़िले में एक हफ़्ते के भीतर इस तरह का दूसरा मामला है।अधिकारियों ने कहा कि इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी और जांच तेज़ कर दी है क्योंकि वे सीमा पार से तस्करी और घुसपैठ की कोशिशों को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल इलाके के संगर खेतों से संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन को ज़ब्त किया।

अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह कहाँ से आया है, उसकी तकनीकी विशेषताएं क्या हैं और क्या उसका इस्तेमाल सीमा पार की किसी गतिविधि के लिए किया गया था। इससे पहले 14 जुलाई को देवक गाँव के पास एक खुले खेत से एक ड्रोन ज़ब्त किया गया था।

मप्र के 10.54 लाख किसानों के खातों में जारी की गई 1460 करोड़ 25 लाख रुपये की फसल बीमा राशि

भोपाल, 19 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को भोपाल के पास स्थित जगदीशपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है।

बारामूला में महायज्ञ धर्म सम्मेलन में शामिल हुए उपराज्यपाल

सम्मेलन क्षेत्र के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रतीक, बारामूला से पूरे जम्मू-कश्मीर और देश को सौहार्द एवं राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश देता है- उपराज्यपाल सिन्हा

श्रीनगर, 19 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा आज बारामूला में आयोजित महायज्ञ धर्म सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में यज्ञ निःस्वार्थ त्याग और साझा उत्तरदायित्व का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य विश्व शांति और मानव कल्याण को बढ़ावा देना है।

उपराज्यपाल ने कहा, यह सम्मेलन इस क्षेत्र के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह बारामूला से पूरे जम्मू-कश्मीर और देशभर में सौहार्द, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश देता है। सदियों तक बारामूला संस्कृति का प्रवेश द्वार, विचारों का संगम और आध्यात्मिक ज्ञान का महान केंद्र रहा है। आज के महायज्ञ धर्म सम्मेलन के माध्यम से हम बारामूला की गौरवशाली विरासत को पुनर्जीवित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस पावन भूमि पर, जहां सभी धर्मों का समान सम्मान किया जाता है, महायज्ञ हमारी आध्यात्मिक विरासत को नया जीवन दे रहा है, जिसने जम्मू-कश्मीर को विश्व में एक विशिष्ट और अनूठी पहचान प्रदान की है। हमारे पूर्वजों,

ऋषियों और मुनियों ने लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु की कामना की थी, अर्थात सभी प्राणी सुखी और स्वस्थ रहें। हमारे ऋषियों की सोच सदैव समावेशी और करुणामयी रही है। आज जब दुनिया विभाजन और संघर्षों से जूझ रही है, तब बारामूला की इस पवित्र भूमि से उठ रही प्रार्थनाएं तथा वेदों और श्रीमद्भगवद्गीता के मंत्र मानवता को शांति, सद्भावना और सह-अस्तित्व का संदेश दे रहे हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि हमारी महान आध्यात्मिक परंपरा प्रत्येक व्यक्ति में ईश्वर का दर्शन करना सिखाती है। यह परंपरा भाषा, क्षेत्र, जाति और रीति-रिवाजों के भेदभाव को समाप्त करती है तथा भारत ऐसा देश है जहां सभी धर्मों ने समान रूप से विकास किया है।

उन्होंने कहा, महायज्ञ धर्म सम्मेलन राष्ट्रीय एकता की जीवंत अभिव्यक्ति है और यही भारत की वास्तविक पहचान है। तेजी से बदलती दुनिया और नई जीवनशैली के दौर में हमें भाईचारे की परंपरा को मजबूत करना होगा तथा युवा पीढ़ी में धैर्य, करुणा, संवेदनशीलता और निःस्वार्थ प्रेम जैसे गुण विकसित करने होंगे। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण भी हमारा आध्यात्मिक कर्तव्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पहले हमारे पूर्वजों और ऋषियों ने प्रकृति की पूजा करना सिखाया। हमने नदियों को माता, वृक्षों को जीवनदाता और पृथ्वी को माता के रूप में सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि हमें इस धरती को आने वाली पीढ़ियों के लिए और अधिक सुरक्षित एवं बेहतर बनाकर सौंपना चाहिए। उन्होंने सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर बल देते हुए कहा कि हमें अपने गौरवशाली इतिहास पर गर्व करना चाहिए तथा अपनी भाषाओं, साहित्य, कला और संस्कृति का संरक्षण कर पूर्वजों की अमूल्य विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहिए। उपराज्यपाल ने कहा, महायज्ञ धर्म सम्मेलन तभी वास्तव में सफल होगा जब इसका संदेश युवाओं तक पहुंचे और उन्हें प्रेरित करे। तेजी से बदलती दुनिया में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए नैतिक शक्ति अत्यंत आवश्यक है। मेरी इच्छा है कि भारत के युवा विश्व का नेतृत्व करें। वे नवाचार करें, नए विचारों का मार्गदर्शन करें और करुणा के साथ प्रगति का नया अध्याय लिखें। मैं चाहता हूं कि हमारे युवा भारत की महान सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाएं और दुनिया को यह दिखाएं कि आधुनिकता और आध्यात्मिकता साथ-साथ चल सकती हैं।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण चंडीगढ़ पीठ कॉर्पोरेट भवन, प्लॉट नं. 4-बी
भूतल, सेक्टर-27-बी मध्य मार्ग, चंडीगढ़ - 160019
सदर्भ- NCLT/Chd/Reg.2026/Notice 652
दिनांक- 03/06/2026

सूचना

सीपी (आईबी) संख्या- 127/Chd/J&K/2026

प्रकरण में
डीबी ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड ज्याचिकाकर्ता

बनाम
एचके सीमेंट इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड
प्रतिवादी

आपको निर्देशित किया जाता है कि आप 28 जुलाई, 2026 को दोपहर 2:30 बजे कोर्ट-1 में माननीय न्यायाधिकरण के सदस्य श्री के. बिस्वाल (न्यायिक सदस्य) एवं श्री शिशिर अग्रवाल (तकनीकी सदस्य) के समक्ष याचिका की सुनवाई हेतु स्वयं अथवा अपने विधिवत अधिकृत अभिकर्ता/अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों।

नोटिस प्राप्त होने की तिथि से दो सप्ताह के भीतर अपना उत्तर/प्रतिउत्तर दाखिल करने का समय प्रदान किया जाता है। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायाधिकरण की मुहर सहित 03 जून, 2026 को जारी की गई।

हस्ताक्षर
(रतन कौर) उप-पंजीयक

संलग्न- याचिका की प्रति, संपूर्ण पेपर बुक एवं दिनांक 18.05.2026 का आदेश।

प्रेषित- एम/एस एचके सीमेंट इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड
प्रबंध निदेशक के माध्यम से

पंजीकृत कार्यालय का पता- नेशनल हाईवे बाईपास क्रॉसिंग, पंथ चौक, अथवाजन, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर - 191101

जिला प्रशासन बारामूला ने जारी की मौसम संबंधी एडवाइजरी, बाढ़ संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील

बारामूला, 19 जुलाई। मौसम विभाग श्रीनगर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर उपायुक्त बारामूला डॉ. एस. एफ. हमीद ने 19 से 23 जुलाई 2026 तक के लिए मौसम संबंधी एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

एडवाइजरी में विशेष रूप से टंगमार्ग, गुलमर्ग, उड़ी, बोनियार, शिरपोरा गावग्रेन, चंदूसा, दंडमोह, हाजीबल, शुमलूरान, कलंत्रा, रामपुर राजपुर, शुटलू, गलीबल और रफियाबाद क्षेत्रों के निवासियों, खासकर नदियों और नालों के किनारे रहने वाले लोगों को बाढ़ संभावित इलाकों से दूर रहने तथा जलमग्न सड़कों या जलधाराओं को पार नहीं करने की सलाह दी गई है, क्योंकि इससे जान का गंभीर खतरा हो सकता है।

टंगमार्ग, गुलमर्ग, शिरपोरा गावग्रेन, उड़ी और बोनियार जाने वाले पर्यटकों तथा यात्रियों से भी यात्रा शुरू करने से पहले सड़क और मौसम की स्थिति की जानकारी लेने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की गई है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को हाई अलर्ट पर रहने, आवश्यक मशीनरी एवं कर्मचारियों को तैयार रखने तथा एडवाइजरी अवधि के दौरान किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे आधिकारिक एडवाइजरी का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (डीईओसी), उपायुक्त कार्यालय बारामूला अथवा पुलिस नियंत्रण कक्ष बारामूला से संपर्क करें।

प्रशासन ने मौसम सामान्य होने तक नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने और पूरी सावधानी बरतने की अपील की है।

भारी बारिश के मद्देनजर जिला प्रशासन बांदीपोरा ने जारी की जन सलाह

बांदीपोरा, 19 जुलाई- जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन बांदीपोरा ने आम जनता के लिए एडवाइजरी जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भारी वर्षा के कारण बादल फटना, अचानक बाढ़, भूस्खलन, मलबा खिसकना, पत्थर गिरना तथा अन्य मौसम संबंधी घटनाएं हो सकती हैं, जिससे जान-माल को खतरा उत्पन्न हो सकता है।

स्कास्ट-कश्मीर और केवीके गुरेज ने जेकेएसटी एंड आईसी परियोजना के तहत मोटे अनाज पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

बांदीपोरा, 19 जुलाई। कृषि विस्तार एवं संचार प्रभाग, कृषि संकाय वदूरा, स्कूास्ट-कश्मीर ने कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) गुरेज के सहयोग से जेकेएसटी एंड आईसी वित्तपोषित परियोजना कश्मीर के उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के मोटे अनाज का संग्रह, विशेषताओं का अध्ययन, पोषण मूल्यांकन और पुनर्जीवन के तहत गुरेज में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मोटे अनाज की खेती, उसके पोषण महत्व, मूल्य संवर्धन, विपणन के अवसर तथा सामूहिक उद्यमों के विकास के बारे में जागरूक करना था, जिससे ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाया जा सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं कृषि विस्तार प्रभागाध्यक्ष डॉ. बिलाल अहमद भट्ट ने कहा कि पारंपरिक मोटे अनाज की खेती का पुनर्जीवन पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल कृषि प्रणाली और टिकाऊ खेती के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने किसानों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर मोटे अनाज की

खेती अपनाने का आह्वान किया।

तकनीकी सत्र में सहायक प्रोफेसर डॉ. शिजात हुसैन भट्ट ने मोटे अनाज के विपणन, ब्रांडिंग और उद्यमिता की संभावनाओं पर जानकारी दी।

सहायक प्रोफेसर डॉ. सैयद शफात कुब्रेवी ने मोटे अनाज में मूल्य संवर्धन तथा प्रसंस्करण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और नए रोजगार के अवसर पैदा करने की जानकारी दी।

संपादकीय

त्रासदी के बाद नहीं, पहले हो प्रभावी रोकथाम

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मौसम विभाग द्वारा अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी समय रहते जारी किए जाने के बावजूद संबंधित सरकारी विभाग जम्मू संभाग में हुई जनहानि और व्यापक संपत्ति नुकसान को रोकने के लिए पर्याप्त और प्रभावी कदम उठाने में विफल रहे। वर्ष दर वर्ष मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों की गंभीरता जिस तेजी से बढ़ रही है, उसे देखते हुए अब यह आवश्यक हो गया है कि शासन-प्रशासन आपदा प्रबंधन की अपनी रणनीति में व्यापक बदलाव करे, क्योंकि हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाला नुकसान लगातार भयावह होता जा रहा है।

राजौरी और पुंछ से सामने आई खबरों ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। भारी बारिश के कारण आए भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से दोनों सीमावर्ती जिलों में 11 लोगों की जान चली गई, जबकि सात अन्य अब भी लापता बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा दिल्ली का दौरा बीच में छोड़कर प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए पहुंचना निश्चित रूप से सराहनीय कदम है, लेकिन भविष्य में ऐसी हृदयविदारक घटनाओं को रोकने के लिए इससे कहीं अधिक ठोस और दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है।

मौसम खराब होने की पूर्व सूचना देकर लोगों को सतर्क करना अब अपने आप में पर्याप्त नहीं रह गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और उसकी तीव्रता पहले की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गई है। कुछ दशक पहले तक बादल फटने जैसी घटनाएं बहुत कम देखने को मिलती थीं, लेकिन अब यह लगभग सामान्य होती जा रही हैं। ऐसे में इन चुनौतियों से निपटने के लिए पारंपरिक तरीकों के बजाय नई और प्रभावी रणनीति अपनाना समय की मांग है।

सरकार को सबसे पहले उन सभी संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए, जहां प्राकृतिक आपदा का खतरा अधिक रहता है। इनमें नदियों और जलाशयों के जलग्रहण क्षेत्र, भूस्खलन संभावित पहाड़ी ढलान, तथा वे निचले इलाके शामिल हैं, जहां लोगों ने कॉलोनियां और मकान बना लिए हैं। यदि ऐसे सभी संवेदनशील क्षेत्रों का वैज्ञानिक आधार पर मानचित्र तैयार कर लिया जाए, तो किसी भी संभावित आपदा से पहले वहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर समय रहते पहुंचाया जा सकता है। यह जनहानि रोकने का सबसे प्रभावी उपाय साबित हो सकता है।

इसके साथ ही सरकार को ऐसे लोगों के लिए अस्थायी आवासीय सुविधाएं भी पहले से तैयार रखनी चाहिए, ताकि आपदा की आशंका होने पर उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा सके। यदि पुनर्वास की व्यवस्था पहले से उपलब्ध होगी, तो राहत और बचाव कार्य कहीं अधिक तेज, व्यवस्थित और प्रभावी बनेंगे।

भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड द्वारा यात्राओं को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय समयानुकूल, दूरदर्शी और सराहनीय है। इस प्रकार के निर्णय मानव जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सोच को दर्शाते हैं।

यह स्पष्ट हो चुका है कि आपदा प्रबंधन केवल मौसम पूर्वानुमान जारी करने और दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य चलाने तक सीमित नहीं रह सकता। वर्तमान परिस्थितियों में आवश्यक है कि सरकार सभी संवेदनशील क्षेत्रों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराए और भविष्य की आपदाओं से निपटने के लिए एक ठोस एवं त्रुटिरहित कार्ययोजना तैयार करे।

इस सुरक्षा ऑडिट में जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान, बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाना, जल निकासी व्यवस्था में सुधार, चेतावनी प्रणाली को और प्रभावी बनाना तथा समय पर लोगों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करना शामिल होना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, लेकिन समय पर योजना, सतर्कता और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से जनहानि और नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि सरकार की प्राथमिकता केवल आपदा आने के बाद राहत पहुंचाना नहीं, बल्कि पहले से ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करना हो, जिससे त्रासदियों को होने से पहले ही रोका जा सके।

सौर ऊर्जा की अनूठी पहल

ओडिशा के बरगढ़ जिले में सौलर ऊर्जा के लिए एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ पात्र सालों से अंधेरे में दीपक जलाने का काम कर रहे हैं।

सौर ऊर्जा बहुत उपयोगी है। इससे बिजली निर्माण करना, पानी गरम करना, मोटर पंप चलाना, फ्रिज चलाना, बल्ब जलाना, पंखे चलाना इत्यादि सभी काम किए जा सकते हैं और यह सब भी सस्ते दामों में संभव है। ये तीन तरह के होते हैं- ऑन ग्रिड, ऑफ ग्रिड और हाइब्रिड। इनमें से ग्राहकों के लिए हाइब्रिड सबसे उपयुक्त होती है, क्योंकि इस तकनीक ग्रिड न रहने पर भी बिजली की आपूर्ति बनी रहती है। और बची हुई उत्पादित ऊर्जा वापस ग्रिड में बेची जाती है।ओडिशा के बरगढ़ जिले में सौलर ऊर्जा के लिए एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ पात्र सालों से अंधेरे में दीपक जलाने का काम कर रहे हैं। वे ऐसे दुर्गम व जरूरतमंद इलाकों में सौलर ऊर्जा की ज्योति जला रहे हैं, जहां लोग बिजली नहीं होने से परेशान थे। आज इस कॉलम में सौर ऊर्जा की पहल पर बात करना चाहूंगा, जिससे वैकल्पिक ऊर्जा की अच्छी समझ बन सके।

अमिताभ पात्र धुन के पक्के हैं। वे सामाजिक कार्यकर्ताओं के परिवार से आते हैं। उनके नाना, अलेख पात्र प्रसिद्ध सर्वोदयी थे। उन्होंने कई रचनात्मक काम किए, और प्राकृतिक खेती में मिसाल पेश की। 90 के दशक की शुरूआत में मुझे भी उनके कृषि फार्म पर जाने और उनसे मिलने का मौका मिला था। मैंने उनके साथ कुछ दिन गुजारे थे और ताजी जैविक सब्जियों का स्वाद चखा था।सामाजिक क्षेत्र में आने के लिए अमिताभ उनको ही श्रेय देते हैं। उनका बचपन पाईकमाल स्थित निसर्ग निवास में ही बीता है, जो उनके नाना अलेख पात्र का कृषि फार्म व आवास स्थल था। निसर्ग निवास ही अमिताभ की खेलभूमि और शिक्षण शाला रही है।

गंदमार्दन पहाड़ की तलहटी में स्थित प्रसिद्ध नृसिंहनाथ मंदिर के पास ही यह स्थान है। प्रकृति की गोद में बसा यह इलाका प्राकृतिक रूप से बहुत ही खूबसूरत है। इस पहाड़ में कई झरने हैं और औषधीय पेड़-पौधों का भंडार है। बचपन में ही वैकल्पिक ऊर्जा से उनका परिचय इसी परिसर में हुआ, जो अब मिशन बन गया। यहां गोबर गैस प्लांट था, जिससे भोजन बनता था और बल्ब जलते थे।उनके जीवन में एक मोड़ जब आया तब वे सैम पित्रोदा से मिले। यह वर्ष 2010 की बात है। दिल्ली में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय वैकल्पिक ऊर्जा समारोह के दौरान सैम पित्रोदा से उनकी मुलाकात हुई। वहां बातचीत करने का मौका मिला और उनसे प्रभावित होकर बाद से वे सौर ऊर्जा के काम में जुट गए। ओडिशा वापस लौटकर उन्होंने कुछ विस्थापित गांवों में सौर पैनल लगवाए

और जिन्होंने पूर्व से सौलर पैनल लगवाए थे, उनके रखरखाव और मरम्मत में मदद की। और उसके बाद से लगातार यह सिलसिला चल रहा है।वे बताते हैं कि सौर ऊर्जा बहुत उपयोगी है। इससे बिजली निर्माण करना, पानी गरम करना, मोटर पंप चलाना, फ्रिज चलाना, बल्ब जलाना, पंखे चलाना इत्यादि सभी काम किए जा सकते हैं और यह सब भी सस्ते दामों में संभव है। ये तीन तरह के होते हैं- ऑन ग्रिड, ऑफ ग्रिड और हाइब्रिड। इनमें से ग्राहकों के लिए हाइब्रिड सबसे उपयुक्त होती है, क्योंकि इस तकनीक ग्रिड न रहने पर भी बिजली की आपूर्ति बनी रहती है। और बची हुई उत्पादित ऊर्जा वापस ग्रिड में बेची जाती है।उन्होंने बताया कि हीराकुंड बांध से कुछ विस्थापित गांवों में बिजली की समस्या थी, तब कुछ साल पहले उन्होंने वहां सौर ऊर्जा के छोटे- बड़े पैनल लगवाए थे, जिससे उस गांव में रोशनी पहुंची थी। यह गांव डेब्रीगढ़ अभयारण्य के अंदर है। इसमें जो भी खर्च आया, उन्होंने खुद व उनके साथियों ने वहन किया था। बाद में सरकार ने सभी परिवारों के लिए सौर ऊर्जा सिस्टम लगवाए।मुझे उन्होंने कुछ स्थानों के सौर पैनल दिखाए, जिसमें बरगढ़ जिले के भेड़न प्रखंड के सहरा टीकरा गांव का अरबिंदो स्कूल (ऑरोविहार स्कूल) भी था। वहां 9 सौर पैनल लगे थे। यहां सौर ऊर्जा से 2 ट्यूबवेल, बल्ब, पंखे चलते हैं। अब लगातार आपूर्ति बनी रहती है, और बिजली बिल भी नहीं आता है।

यहां के देखभालकर्ता रविन्द्र बंछोर ने बताया कि पहले यहां तीन कनेक्शन थे, इनका करीब 20 हजार बिजली बिल आता था। बार-बार बिजली गुल व कम वोल्टेज की समस्या लगी रहती थी, इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित होती थी। बिजली न होने की स्थिति में हम जनरेटर चलाते थे, जिसमें करीब 2000 रुपए का डीजल जल जाता था। इसके अलावा, ध्वनि व वायु प्रदूषण होता था। सोलर लगने से जनरेटर का इस्तेमाल लगभग खत्म हो गया है।वे आगे बताते हैं कि हमें सौर पैनल लगाने में 3 लाख रूपए का खर्च आया। 2 वर्ष हो गए हैं। किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। यह एक आवासीय स्कूल है, जहां करीब सौ विद्यार्थी रहते हैं। वैसे नर्सरी से लेकर 10 वीं कक्षा तक 300 छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं। जिस दिन हम इस स्कूल में गए थे, उस दिन रविवार था। संयोग से बिजली गुल थी, पर सभी काम निर्धारित समय पर हुए। कोई दिक्कत नहीं हुई। ऑनलाइन डिजीटल कक्षाएं भी चल रही थीं।बरगढ़ शहर में डॉ.देवाशीष त्रिपाठी का सौलर पैनल भी देखा, जो करीब 8 साल से चल रहा है। यहां 3 किलोवाट का सौलर पैनल है। देवाशीष त्रिपाठी ने बताया कि उनके घर सौर ऊर्जा से सभी काम होते हैं। बोरवेल पंप चलता है, बल्ब जलते हैं, और पंखे चलते हैं। फ्रिज व मिक्सर वगैरह सभी चलते हैं। बिजली बिल काफी कम आता है। खंभे ग्रिड की बिजली रहे न रहे, कोई फर्क नहीं पड़ता है।

इसी प्रकार, हम एक बरमकेला रोड पर स्थित आयन सत्या ढाबे पर गए, यह ढाबा भी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करता है। यहां 5 किलोवाट का सौलर पैनल है। इससे 2 फ्रिज, बिजली मोटर पंप, बल्ब और पंखे चलते हैं। यहां बड़े बल्ब और सीसीटीवी कैमरे भी सौर ऊर्जा से चल रहे हैं।

अमिताभ बताते हैं कि इसमें लंबी अवधि तक चलते रहने के लिए सही टेक्नालॉजी के साथ सटीक तरीके से इंस्टाल करना करना व रखरखाव और निगरानी बहुत जरूरी है।उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ लगाए गए सौलर पैनल आसानी से 10 वर्ष तक बिना किसी समस्या के चल सकते हैं। निरंतर बिजली की आपूर्ति भी होती है, और रखरखाव का खर्च भी लगभग न के बराबर होता है। उपकरण भी खराब नहीं होते हैं।वे बताते हैं कि लेड एसिड बैटरी काफी पुरानी तकनीक है, जिसमें बैटरी की जिंदगी अपेक्षाकृत कम होती है और उसमें नियमित रूप से उसमें आसुत जल (डिस्टल वाटर) भरते रहना होता है। बड़े सिस्टम में जहां बहुत सारी बैटरी लगती है, वहां संतुलन बनाने में भी समस्या होती है। वहीं लिथियम सिस्टम में बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम लगे होने की वजह से रखरखाव की कोई झंझट नहीं होती।कुल मिलाकर, सौर ऊर्जा की यह पहल बहुत ही उपयोगी है।

यह वैकल्पिक ऊर्जा का अच्छा स्रोत है। इसमें न तो बिजली बिल आता है और न बिजली गुल होती है, बल्कि लगातार आपूर्ति होती है। इसमें एक दिक्कत आती है, देखभाल, रखरखाव और मरम्मत और सतत निगरानी की, जिसे अमिताभ पात्र जैसे समर्पित व्यक्तियों की जरूरत है। वैश्विक ऊर्जा संकट व जलवायु बदलाव के दौर में यह पहल और भी महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हो जाती है, जो सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

डायबिटीज का खतरा सिर्फ मोटापे से नहीं, कमजोर मांसपेशियां भी बढ़ा सकती हैं जोखिम - अध्ययन

हैल्थ डेस्क। नई दिल्ली टाइप-2 डायबिटीज का खतरा केवल शरीर के बढ़े हुए वजन या मोटापे से ही जुड़ा नहीं है बल्कि मांसपेशियों का स्वास्थ्य भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऑस्ट्रेलिया की कर्टिन यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों में शरीर की अतिरिक्त चर्बी के साथ मांसपेशियों की कमजोरी होती है, उनमें डायबिटीज का खतरा काफी अधिक होता है।

यह शोध दुनिया की प्रमुख डायबिटीज पत्रिकाओं में शामिल डायबिटीज केयर में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में कर्टिन स्कूल ऑफ पॉपुलेशन हेल्थ और कर्टिन एनेबल इंस्टीट्यूट के डिमेंशिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के शोधकर्ताओं ने करीब 4.8 लाख वयस्कों के स्वास्थ्य आंकड़ों का 14 वर्षों तक विश्लेषण किया। अध्ययन में शामिल सभी लोग शोध की शुरुआत में डायबिटीज से मुक्त थे।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों में मोटापा और मांसपेशियों की कमजोरी दोनों मौजूद थीं, उन्हें

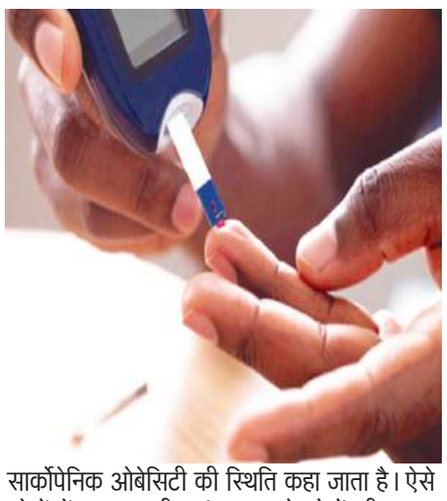

सार्कोपेनिक ओबेसिटी की स्थिति कहा जाता है। ऐसे लोगों में स्वस्थ शरीर संरचना वाले लोगों की तुलना में टाइप-2 डायबिटीज विकसित होने का खतरा साढ़े तीन गुना से भी अधिक पाया गया।

अध्ययन के अनुसार, सार्कोपेनिक ओबेसिटी से पीड़ित लोगों में केवल मोटापे से ग्रस्त लोगों की तुलना में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा 19 प्रतिशत अधिक था। वहीं, केवल कम मांसपेशी द्रव्यमान या कमजोरी (सार्कोपेनिक) वाले लोगों की तुलना में यह जोखिम 91 प्रतिशत अधिक पाया गया।

अध्ययन के प्रमुख लेखक और पीएचडी शोधार्थी झोंगयांग गुआन ने कहा कि ये निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देते हैं कि डायबिटीज का खतरा मुख्य रूप से शरीर के वजन से ही तय होता है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त वजन डायबिटीज का एक बड़ा कारण जरूर है, लेकिन मांसपेशियों का स्वास्थ्य भी जोखिम को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने बताया कि जिन लोगों में अधिक वसा और कम मांसपेशियां दोनों होती हैं, उनमें डायबिटीज का खतरा केवल मोटापे वाले लोगों की तुलना में काफी ज्यादा होता है। इसलिए डायबिटीज के खतरे का आकलन करते समय केवल वजन या बॉडी मास इंडेक्स देखने के बजाय मांसपेशियों की ताकत और मात्रा पर भी ध्यान देना जरूरी है। शोध में यह भी सामने आया कि सार्कोपेनिक ओबेसिटी वाले करीब 15 प्रतिशत लोगों में 10 वर्षों के भीतर टाइप-2 डायबिटीज विकसित हुई, जबकि मोटापे से ग्रस्त लोगों में यह आंकड़ा लगभग 11 प्रतिशत और स्वस्थ शरीर संरचना वाले लोगों में करीब 3 प्रतिशत रहा।

अध्ययन में यह संबंध महिलाओं और 60 वर्ष से कम उम्र के वयस्कों में अधिक मजबूत पाया गया। शोध के वरिष्ठ प्रमुख प्रोफेसर मारियो सिएर्वो ने कहा कि डायबिटीज की रोकथाम के लिए शरीर के वजन के साथ-साथ मांसपेशियों के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र और मोटापे की बढ़ती दरों के बीच नियमित शारीरिक गतिविधि, व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखना टाइप-2 डायबिटीज के खतरे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है

सिंधु सभ्यता पर पाकिस्तान का दावा, कहीं छिपा एजेंडा तो नहीं?

-कौशल मूंदड़ा-

सिंधु सभ्यता को लेकर पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अपनाए जा रहे रुख ने भारत के इतिहासकारों, पुराविदों और सांस्कृतिक विरासत के विशेषज्ञों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

यदि समय रहते इस विषय पर तथ्याधारित अंतरराष्ट्रीय विमर्श नहीं हुआ तो यह विवाद केवल सांस्कृतिक दावेदारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विश्व इतिहास की सबसे प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से एक के स्वरूप, नाम और ऐतिहासिक व्याख्या को प्रभावित करने का प्रयास भी बन सकता है।

किसी भी प्राचीन सभ्यता का मूल्यांकन आधुनिक राजनीतिक सीमाओं के आधार पर नहीं किया जा सकता।

सिंधु सभ्यता का विकास उस समय हुआ था, जब न भारत एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य था और न ही पाकिस्तान का अस्तित्व था। इसलिए किसी वर्तमान राष्ट्र द्वारा उस पूरी सभ्यता पर विशिष्ट स्वामित्व का दावा करना इतिहास की स्थापित पद्धति के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान लंबे समय से मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को राष्ट्रीय विरासत के रूप में प्रस्तुत करता रहा है, जो स्वाभाविक भी है। किंतु हाल के वर्षों में जिस प्रकार 'पांच हजार वर्ष पुराना पाकिस्तान' जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया गया है तथा सिंधु सभ्यता को पाकिस्तान की ऐतिहासिक पहचान के मूल आधार के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास दिखाई दिए हैं, उन्होंने नई बहस को जन्म दे दिया है। जबकि, पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही सन् 1947 से है।

इस विषय पर चिंतन की आवश्यक इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से लगातार ऐसे बयान जारी कर रहा है।

अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा के बाद 2025 के उत्तरार्ध में पाकिस्तान ने 'इंडस' विरासत को राष्ट्रीय पहचान से जोड़ने वाले अभियानों को गति देना शुरू कर दिया।

जून 2026 में सिंधु जल संधि विवाद के समानांतर पाकिस्तान ने सिंधु सभ्यता को अधिक प्रमुखता से प्रस्तुत करना शुरू किया। हाल ही, जुलाई 2026 में इस्लामाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में सिंधु जल और सांस्कृतिक विरासत के मुद्दे को साथ रखकर भारत की आलोचना की गई।

इतिहास केवल भूगोल नहीं, स्मृति भी है

इतिहास को समझने के लिए केवल वर्तमान मानचित्र पर्याप्त नहीं होते। समय के साथ कई नगरों, नदियों, क्षेत्रों और सांस्कृतिक केंद्रों के नाम बदलते रहे हैं। यदि इन परिवर्तनों को ऐतिहासिक संदर्भ से अलग कर देखा जाए तो आने वाली पीढ़ियों के सामने इतिहास की वास्तविक निरंतरता धुंधली पड़ सकती है।

जो विद्यार्थी और शोधार्थी इतिहास विषय के हैं, वे प्राचीन नामों और उनके आधुनिक रूपों का अध्ययन करते हैं, किंतु इतिहास से इतर विषयों के अधिकांश विद्यार्थियों के लिए यह जानकारी नई हो सकती है कि आज की नीलम घाटी प्राचीन ग्रंथों में किशनगंगा के नाम से वर्णित है और आज का काबुल भारतीय प्राचीन ग्रंथों में कुभा के नाम से अपना स्थान रखता है। श्रीनगर स्थित शंकराचार्य मठ का पर्वत आज तख्त-ए-सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है।

इसी तरह, लायलपुर आज फैसलाबाद कहलाता है। सांकल का वर्तमान नाम सियालकोट है। वितस्ता का आधुनिक नाम झेलम है। आस्किनी आज चिनाब कहलाती है। प्राचीन हरिरुद को आज हेलमंड के नाम से जाना जाता है

। गांधार का आधुनिक रूप कंधार है। वराहमूल आज बारामूला कहलाता है।

नामों के इन परिवर्तनों को समझे बिना प्राचीन ग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों का समुचित अध्ययन संभव नहीं है

। यही कारण है कि किसी सभ्यता की पहचान को केवल आधुनिक नामों और वर्तमान राजनीतिक सीमाओं के आधार पर परिभाषित करना ऐतिहासिक दृष्टि से अधूरा माना जाता है।

सिंधु सभ्यता का वास्तविक विस्तार

वरिष्ठ पुरातत्वविद व साहित्य संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. जीवन सिंह खरकवाल कहते हैं कि सिंधु सभ्यता का विस्तार वर्तमान पाकिस्तान, भारत तथा अफगानिस्तान के कुछ भागों तक था। इसके प्रमुख नगर मोहनजोदड़ो और हड़प्पा आज पाकिस्तान में स्थित हैं, जबकि धोलावीरा, राखीगढ़ी, लोथल, कालीबंगन, बनावली सहित 900 से अधिक महत्वपूर्ण पुरास्थल भारत में हैं, जबकि पाकिस्तान में 600 ही हैं। ज्ञात पुरास्थलों की संख्या के आधार पर भी भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

उनका मानना है कि यह सभ्यता किसी एक आधुनिक राष्ट्र की नहीं, बल्कि पूरे उत्तर-पश्चिम भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत है।

क्या केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति है या उससे आगे की तैयारी?

चिंता केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि पाकिस्तान अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को प्रचारित कर रहा है। उनकी वास्तविक चिंता यह है कि कहीं यह प्रयास धीरे-धीरे इतिहास की नई व्याख्या स्थापित करने की दिशा में तो नहीं बढ़ रहा। सभ्यता अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के सह निदेशक डॉ. विवेक भटनागर का मत है कि यदि किसी सभ्यता की उत्पत्ति, उसके सांस्कृतिक आधार और उसके भौगोलिक विस्तार को क्रमशः नए राजनीतिक आख्यानों के अनुरूप प्रस्तुत किया जाने लगे, तो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय विमर्श प्रभावित हो सकता है। इसी कारण वे इस विषय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। इतिहास में कई उदाहरण ऐसे मिलते हैं, जहां लंबे समय तक दोहराए गए राजनीतिक आख्यान बाद में सामान्य धारणा का रूप ले गए। इसलिए सिंधु सभ्यता जैसे वैश्विक महत्व के विषय पर तथ्यात्मक और प्रमाण-आधारित विमर्श अत्यंत आवश्यक है।

नाम बदलने की आशंका भी?

यह आशंका भी है कि यदि किसी सभ्यता की पहचान को नए राजनीतिक आख्यानों से जोड़ने का प्रयास जारी रहा, तो भविष्य में उसके नाम, सांस्कृतिक स्वरूप अथवा ऐतिहासिक प्रस्तुतीकरण में भी परिवर्तन की कोशिश की जा सकती है। यद्यपि ऐसा कोई आधिकारिक कदम अब तक सामने नहीं आया है, फिर भी इस संभावना को पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। विश्व विरासत से जुड़े विषयों में समय रहते तथ्यात्मक हस्तक्षेप और अकादमिक संवाद आवश्यक होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध और संवाद की मांग

सिंधु सभ्यता जैसे विषय को भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय विवाद के रूप में नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की साझा धरोहर के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व संस्थानों और इतिहास शोध संस्थाओं के स्तर पर व्यापक विमर्श, संयुक्त शोध और प्रमाण-आधारित अध्ययन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इतिहास का संरक्षण भावनाओं से नहीं, बल्कि पुरातात्विक साक्ष्यों, अभिलेखों, वैज्ञानिक अनुसंधानों और प्रमाणित स्रोतों के आधार पर होना चाहिए। यदि किसी प्रकार का पुनर्लेखन या एकपक्षीय व्याख्या सामने आती है तो उसका उत्तर भी तथ्यों और शोध के माध्यम से ही दिया जाना चाहिए।

महती आवश्यकता है भारत सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के पुरातात्विक और ऐतिहासिक साक्ष्यों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे। यह केवल अतीत का प्रश्न नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐतिहासिक सत्य के संरक्षण का विषय है। भारत के पास सिंधु सभ्यता से जुड़े समृद्ध पुरातात्विक साक्ष्य, शोध और अकादमिक सामग्री उपलब्ध है। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें वैश्विक स्तर पर व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाए, ताकि मानव सभ्यता की इस अमूल्य धरोहर का इतिहास किसी राजनीतिक आख्यान का नहीं, बल्कि प्रमाणित तथ्यों का इतिहास बना रहे। सिंधु सभ्यता किसी आधुनिक राष्ट्र की संपत्ति नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता की साझा धरोहर है। इसलिए इसके इतिहास, स्वरूप और पहचान से जुड़ा प्रत्येक दावा पुरातात्विक साक्ष्यों, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित इतिहासलेखन की कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व पुरातत्व शोधार्थी हैं)

विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिपः भारत की अनाहत सिंह महिला वर्ग में शीर्ष वरीय, आर्यवीर दीवान से भी पदक की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। कनाडा के ओंटारियो में सोमवार से शुरू हो रही विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत की स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह को महिला एकल वर्ग में शीर्ष वरीयता (टॉप सीड) मिली है। वहीं पुरुष वर्ग में आर्यवीर दीवान को संयुक्त रूप से 5/8वीं वरीयता दी गई है। विश्व रैंकिंग में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल 18 वर्षीय अनाहत सिंह इस बार अपना पहला विश्व जूनियर खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगी। पिछले वर्ष उन्होंने सेमीफाइनल तक का सफर तय कर कांस्य पदक जीता था। पेशेवर बनने के बाद 2023 से अब तक वह अंतरराष्ट्रीय सर्किट में 16 एकल खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। पुरुष वर्ग में आर्यवीर दीवान से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने इसी वर्ष मई में एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वैश चैंपियनशिप में अंडर-19 बालक वर्ग का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के केवल चौथे खिलाड़ी बने थे। विश्व जूनियर चैंपियनशिप में भारत की ओर से पुरुष वर्ग में युशा नफीस, गुरवीर सिंह और पुरव राम्भिया, जबकि महिला वर्ग में रुद्रा सिंह, अनिका दुबे और सान्वी कलांकी भी चुनौती पेश करेंगी। प्रतियोगिता का समापन 31 जुलाई को होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए चोटिल वॉशिंगटन सुंदर की जगह हर्ष दुबे को मौका

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और अंतिम वनडे से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर दाएं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा ऑलराउंडर हर्ष दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने वॉशिंगटन सुंदर के स्थान पर हर्ष दुबे को टीम में शामिल करने का फैसला किया। सुंदर को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान दाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। अब उनकी विस्तृत जांच (स्कैन) कराई जाएगी और आगे के इलाज के लिए विशेषज्ञ की सलाह ली जाएगी। हर्ष दुबे को पहली बार भारतीय वनडे टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि वह ऑलराउंडर के रूप में टीम को संतुलन प्रदान करेंगे। वनडे सीरीज में भारत-इंग्लैंड ने एक-एक मैच जीत कर बराबरी पर हैं। ऐसे में लॉर्ड्स में होने वाला अंतिम मुकाबला सीरीज के लिए डिसाइडर का काम करेगा।

यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमें मस्कट रवाना

नई दिल्ली। भारत की पुरुष और महिला यूथ हॉकी5एस टीमें नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ओमान के मस्कट के लिए रवाना हो गईं। दोनों टीमें 20 से 25 जुलाई तक आयोजित होने वाली पहली यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट एशिया की उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा मंच होगा। साथ ही, यह प्रतियोगिता पहली एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी है। पूर्व भारतीय कप्तान सरदार सिंह के मार्गदर्शन में खेल रही भारतीय पुरुष टीम को एलीट पूल में मेजबान ओमान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। भारतीय महिला टीम की कोच रानी हैं। महिला टीम को एलीट पूल में चीन, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 20 जुलाई से करेगी। पहले दिन पुरुष टीम का सामना बांग्लादेश से होगा, जबकि महिला टीम कजाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी।

बेल्जियम दौरे के बाद भारतीय जूनियर टीम से खुश कोच फ्रेडरिक सोयेज, कहा- हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं

एंटवर्प। भारतीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने बेल्जियम दौरे के समापन पर टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरे ने खिलाड़ियों को सीखने, खुद को निखारने और एक मजबूत टीम के रूप में विकसित होने का बेहतरीन अवसर दिया। भारतीय टीम ने 5 से 18 जुलाई तक चले छह मैचों के इस एक्सपोजर दौरे का समापन नीदरलैंड पर 4-3 की रोमांचक जीत के साथ किया। सोयेज ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, बेल्जियम का यह दौरा मैदान के अंदर और बाहर, दोनों ही लिहाज से शानदार अनुभव रहा। मजबूत टीमों के खिलाफ कठिन परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को सीखने, विकास करने और टीम के रूप में आगे बढ़ने का अमूल्य अवसर मिला। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत वाव्रे स्थित बेल्फियस हॉकी एरिना में ऑस्ट्रिया के खिलाफ 2-4 की हार से की थी। हालांकि, टीम ने अगले ही मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रिया को 4-1 से हराया। इसके बाद भारत को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ 2-3 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। चौथे मैच में जर्मनी ने अंतिम मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को 1-0 से मात दी।

पीवी सिंधु ने जीता जापान ओपन का खिताब, फाइनल में अकाने यामागुची को हराया

एजेंसी

टोक्यो। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट शटलर पीवी सिंधु ने रविवार को जापान ओपन सुपर 750 के खिताब को अपने नाम किया। दो साल में यह सिंधु का पहला बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब है। पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी जानी-पहचानी प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी अकाने यामागुची को शिकस्त दी। सिंधु ने टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में चार बार की चैंपियन यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। इसके साथ ही, सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। यह पूर्व वर्ल्ड चैंपियन का दिसंबर 2024 में सैयद मोदी टूर्नामेंट जीतने के बाद पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इसके साथ ही, इस जीत के साथ ही सिंधु का सुपर 750 या उससे ऊपर का खिताब जीतने का सात साल का इंतजार भी खत्म हो गया। सिंधु को शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ किस्मत का भी साथ मिला। प्री-क्वार्टर फाइनल में सिंधु ने वर्ल्ड नंबर 5 हान यू को हराया, तो क्वार्टर फाइनल और फिर सेमीफाइनल में उनकी विपक्षी खिलाड़ी चोटिल होने की वजह से मैच से हट गईं। सिंधु ने फाइनल मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। उन्होंने लगातार शुरुआती दो प्वाइंट हासिल किए और तीसरे प्वाइंट के लिए सफल चैलेंज लेकर 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, जापान की अकाने यामागुची ने जल्द ही बेहतरीन वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सिंधु ने यामागुची की कुछ गलतियों का फायदा उठाया और 9-7 की बढ़त बनाई, लेकिन यामागुची ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाया और लगातार चार प्वाइंट जीतकर मुकाबले का रुख बदल दिया। मिड-गेम इंटरवल तक उन्होंने बढ़त हासिल कर ली।

खेल दोबारा शुरू होने के बाद सिंधु का अंदाज बिल्कुल अलग नजर आया। वह अपने अटैक में कहीं ज्यादा आक्रामक दिखीं; उन्होंने यामागुची को बैकफुट पर धकेला और अपनी बढ़त को 16-12 तक पहुंचाया। दोनों खिलाड़ियों में से कोई भी हार मानने को तैयार नहीं था और स्कोर 17-17 पर बराबर हो गया। हालांकि, भारतीय स्टार ने इसके बाद लगातार चार प्वाइंट हासिल करते हुए पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। सिंधु ने दूसरे गेम की शुरुआत भी शानदार ढंग से की। उन्होंने पहले 6-3 की बढ़त बनाई और फिर इस बढ़त को बढ़ाकर 8-3 कर दिया। जापानी शटलर ने लगातार चार प्वाइंट जीतकर सिंधु की रफ्तार को कुछ देर के लिए रोका, लेकिन आखिर में भारतीय खिलाड़ी 11-7 की बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में पहुंची। ब्रेक के बाद पूर्व वर्ल्ड चैंपियन यामागुची थोड़ी दबाव में नजर आई।

फ्रांस फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच होंगे जिनेदिन जिदान

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के महान फुटबॉलर जिनेदिन जिदान फ्रांस की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम (लेस ब्लू) के नए मुख्य कोच बनने जा रहे हैं। फ्रांसीसी समाचार पत्र एल'इकिप के अनुसार, जिदान एक सितंबर से टीम की कमान संभालेंगे। वह डिडिएर डेशां की जगह लेंगे, जिनका 14 वर्षों का सफल कार्यकाल फीफा विश्व कप 2026 के साथ समाप्त हो गया। डेशां का कार्यकाल मियामी में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले के बाद समाप्त हुआ, जिसमें फ्रांस को इंग्लैंड के हाथों 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। डिडिएर डेशां ने वर्ष 2012 में फ्रांस की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में फ्रांस ने 2018 फीफा विश्व कप का खिताब जीता, 2022 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई और 2026 विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जहां टीम स्पेन से हार गई। फ्रेंच फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में डेशां के योगदान की सराहना करते हुए कहा, एफएफएफ वर्ष 2012 से फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में डिडिएर डेशां द्वारा किए गए असाधारण कार्य के लिए उन्हें सलाम करता है और उनका धन्यवाद करता है। कुछ ही दिनों में अपने पद से विदा लेते हुए डेशां फ्रांस की राष्ट्रीय टीम और फ्रांसीसी फुटबॉल के लिए लगभग 25 वर्षों की असाधारण सेवा का अध्याय समाप्त कर रहे हैं।

असम प्रीमियर लीग नीलामी में दिनेश दास को 12.60 लाख रुपये में बारपेटा ब्रेव्स ने खरीदा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम प्रीमियर लीग (एपीएल) 2026 की नीलामी में मार्की खिलाड़ी श्रेणी के दौरान दिनेश दास सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे। रविवार को गुवाहाटी में हुई नीलामी में बारपेटा ब्रेव्स ने उन्हें 12.60 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। मार्की खिलाड़ियों की सूची में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी सुमित घाडीगांवकर रहे, जिन्हें चराइदेवो सनराइजर्स ने 12.20 लाख रुपये में खरीदा। वहीं, अनुभवी बल्लेबाज सिबसंकर रॉय को बाराक लीजेंड्स ने 12 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा।

इसके अलावा आयुष्मान मलाकर और स्वरूपम पुरकायस्थ भी शीर्ष पांच महंगे खिलाड़ियों में शामिल रहे। तेजपुर टाइटंस ने आयुष्मान मलाकर को 11.80 लाख रुपये में खरीदा, जबकि जोरहाट स्टैलियंस ने स्वरूपम पुरकायस्थ को भी 11.80 लाख रुपये में अपनी टीम का हिस्सा बनाया। मार्की खिलाड़ी श्रेणी की नीलामी में फ्रेंचाइज़ियों के बीच असम के प्रमुख घरेलू क्रिकेटरों को अपने साथ जोड़ने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। आगामी सत्र के लिए मजबूत टीम बनाने की

दिशा में सभी टीमों ने शुरुआती दौर में ही बड़ी बोली लगाई। अन्य प्रमुख खरीद में बाराक लीजेंड्स ने अब्दुल अजीज कुरैशी को 8.40 लाख रुपये और भार्गव लखार को 5.20 लाख रुपये में खरीदा। वहीं बारपेटा ब्रेव्स ने सौरव डिहिंगिया को 7.80 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया।

डिब्रूगढ़ वॉरियर्स ने साहिल जैन को 7.20 लाख रुपये और जीतुमोनी कलिता को 6.20 लाख रुपये में खरीदा। मार्की खिलाड़ियों की नीलामी के साथ असम प्रीमियर लीग 2026 के लिए टीमों के गठन की प्रक्रिया की शानदार शुरुआत हुई। अब नीलामी के अगले चरण में फ्रेंचाइज़ियां अन्य खिलाड़ियों को शामिल कर संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने पर ध्यान देंगी।

नरेन-होल्डर की घातक गेंदबाजी से एलए नाइट राइडर्स ने पहली बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

एजेंसी

ओकलैंड। सुनील नरेन और जेसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी के दम पर लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (एलए नाइट राइडर्स) ने इतिहास रचते हुए पहली बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया। ओकलैंड कोलिजियम में स्थानीय समयानुसार शनिवार रात खेले गए रोमांचक फाइनल में एलए नाइट राइडर्स ने गत चैंपियन वॉशिंगटन फ्रीडम को एक रन से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ एमआई न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन फ्रीडम के तीन साल के दबदबे का भी अंत हो गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए एलए नाइट राइडर्स की टीम 19.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई। टीम के लिए आंद्रे फ्लेचर ने 27 गेंदों में 47 रन, कॉलिन मुनरो ने 29 गेंदों में 40 रन और मैथ्यू ट्रॉम्प ने 21 गेंदों में 39 रनों की तेज पारी खेली। वॉशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन विकेट, जबकि रचिन रविंद्र और निखिल चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन और कप्तान जेसन होल्डर ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर टीम को दबाव में बनाए रखा। नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि होल्डर ने तीन विकेट हासिल किए।

फीफा वर्ल्ड कपः इंग्लैंड ने हासिल किया तीसरा स्थान, रोमांचक मुकाबले में फ्रांस को 6-4 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में इंग्लैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड और फ्रांस के बीच इस मुकाबले में कुल 10 गोल लगे। 1982 के बाद यह पहला मौका है जब विश्व कप के किसी एक मैच में 10 गोल लगे हैं। इंग्लैंड की टीम मुकाबले में शुरुआत से ही हावी नजर आई। मैच के तीसरे ही मिनट में ही डेक्लान राइस ने लंबी दूरी से शानदार शॉट लगाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इसके बाद मैच के 18वें मिनट में एजरी कोन्सा ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही 2-0 कर दिया। उन्होंने राइस के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाते हुए गोल दागा। बुकायो साका ने इंग्लैंड के लिए मैच का तीसरा गोल किया, जबकि 43वें मिनट में उन्होंने एक और गोल दागते हुए पहले हाफ में

ही इंग्लैंड की बढ़त को 4-0 कर डाला। हालांकि, दूसरे हाफ मे फ्रांस ने भी दमदार वापसी की। कोच ने टीम में चार बदलाव किए, जिसका असर मैदान पर भी साफतौर पर नजर आया। मैच के 48वें मिनट में किलियन एम्बाप्पे ने फ्रांस के लिए मुकाबले का पहला गोल दागा। इसके बाद 58वें मिनट में बारकोला ने एक और गोल करते हुए स्कोर को 4-2 पर ला दिया। 9 मिनट बाद ही एम्बाप्पे ने एक और गोल करते हुए इंग्लैंड की बढ़त को और कम कर दिया।

हालांकि, इंग्लैंड ने मैच के अंतिम पलों में एक बार फिर दमदार खेल दिखाया। 87वें मिनट में हाथ आई पेनल्टी को बुकायो साका भुनाने में पूरी तरह से सफल रहे और उन्होंने इंग्लैंड के लिए मैच का पांचवां गोल किया।

हालांकि, फ्रांस के लिए उस्मान डेम्बेले ने इंजरी टाइम में गोल करते हुए स्कोर 5-4 कर दिया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने इंग्लैंड की ओर से छठा गोल करते हुए टीम की जीत पर मुहर लगा दी। 1966 में फीफा विश्व कप का खिताब जीतने के बाद यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इंग्लैंड से मिली हार के बाद फ्रांस के कोच डेशां ने कहा- हार की जिम्मेदारी मेरी

एजेंसी

मियामी। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से 6-4 की हार के बाद फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशां ने अपनी टीम के पहले हाफ के प्रदर्शन को शर्मनाक बताया। उन्होंने हार की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुए कहा कि टीम ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की कोशिश की, लेकिन तीसरे स्थान पर रहने का मौका गंवा दिया। मैच के बाद डेशां ने कहा, यह हार है। हम 4-0 से पीछे थे। हमने पहला हाफ शर्मनाक खेला। हालांकि इसके बाद हमने जुझारूपन दिखाया और कई अच्छी चीजें भी कीं। हमारे पास स्कोर 4-4 से बराबर करने के दो मौके थे। उसके बाद हमने और अधिक आक्रामक खेल दिखाया। हमने वही करने की कोशिश की जो हम जानते हैं। इसकी जिम्मेदारी मेरी है। पहले हाफ में मैं वह नहीं कर पाया जो करना चाहिए था। कम से कम दूसरे हाफ में हमारी टीम ने अपना असली खेल दिखाया, भले ही हार का दर्द बना हुआ है। निश्चित रूप से तीसरे स्थान पर रहना बेहतर होता। फ्रांस पहले हाफ में 0-4 से पिछड़ गया था। दूसरे हाफ में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। एम्बाप्पे के दो गोलों के साथ वह फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक 22 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए और उन्होंने लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ दिया। हालांकि 87वें मिनट में बुकायो साका ने पेनल्टी पर अपना हैट्रिक पूरा कर इंग्लैंड को फिर बढ़त दिला दी। इसके बाद उस्मान डेम्बेले ने फ्रांस के लिए एक और गोल किया, लेकिन स्टॉपेज टाइम में जूद बेलिंगहैम ने गोल कर इंग्लैंड को 6-4 की जीत सुनि

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्सः मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन भारत की ध्वजवाहक होंगी

एजेंसी

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन को 2026 ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों दिग्गज एथलीट 23 जुलाई को ओपनिंग सेरेमनी में 126-सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करते हुए तिरंगा लेकर मार्च करेंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। पीटी उषा ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे भारतीय खेल समुदाय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने विश्वास जताया कि मीराबाई और लवलीना अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन करेंगी और भारतीय दल को प्रेरणा देंगी। उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने को महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों और भारतीय खेलों में उनकी बढ़ती भूमिका का सम्मान माना जा रहा है। वेटलिफ्टिंग स्टार मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा था। इसके अलावा वह विश्व

चैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं। बर्मिंघम में आयोजित 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक 2024 में वह पदक जीतने से चूक गई थीं। ग्लासगो में उनका लक्ष्य एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतना होगा। वहीं, असम की रहने वाली स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2023 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था। हांगझोउ एशियन गेम्स 2023 में उन्होंने रजत पदक भी अपने नाम किया। हालांकि अब तक वह कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक नहीं जीत सकी हैं। इस बार उनका सपना कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक सुनिश्चित करना है।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय दल को दोनों अनुभवी खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। मीराबाई और लवलीना न केवल अपने-अपने खेलों में देश के लिए पदक जीतने के मजबूत दावेदार हैं, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत भी हैं। अब पूरे देश की निगाहें ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स पर टिकी हैं, जहां भारतीय खिलाड़ी अधिक से अधिक पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने के इरादे से उतरेंगे।

हम कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहते थेः एम्बाप्पे

एजेंसी

मियामी। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से 6-4 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि टीम अपने विदाई ले रहे मुख्य कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी टीम पहले हाफ में पूरी तरह बिखर गई थी, लेकिन दूसरे हाफ में खिलाड़ियों ने फिर विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया। मियामी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लान राइस, एजरी कॉन्सा और बुकायो साका (दो गोल) ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। विश्व कप इतिहास में यह पहला अवसर था जब फ्रांस ने किसी एक हाफ में चार गोल खाए। मैच के बाद एम्बाप्पे ने कहा, मैच के दो बिल्कुल अलग-अलग हिस्से थे। पहले हाफ को देखकर मैं समझ सकता हूं कि कुछ लोगों को लगा होगा कि हमने खुद को हास्यास्पद बना लिया और फ्रांस की जर्सी का सम्मान नहीं किया। लेकिन मैं कहूंगा कि हम इंसान हैं, हालांकि इस स्तर पर हमें ऐसी गलती की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। हम पूरी तरह हिल गए थे और इंग्लैंड ने हमें झकझोर कर रख दिया। उन्होंने आगे कहा, दूसरे हाफ में हम फिर वही शीर्ष स्तर के खिलाड़ी बन गए, मानसिक रूप से मजबूत और पूरी तरह तैयार। दुर्भाग्य से हम मैच नहीं जीत सके और इसका सबसे ज्यादा दुख हमारे कोच डिडिएर डेशां के लिए है। हम उनके लिए कुछ खास करना चाहते थे। पहले हाफ को देखकर ऐसा लगा जैसे हमने उन्हें निराश किया, लेकिन हम कभी भी उन्हें ऐसा महसूस नहीं कराना चाहते थे। हालांकि मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक मैच डिडिएर डेशां की महान विरासत को कभी धूमिल नहीं करेगा। चार गोल से पिछड़ने के बाद फ्रांस ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। एम्बाप्पे के इन दो गोलों के साथ वह फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक 22 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए और उन्होंने लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल जीतने वाले सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आगाज 23 जुलाई से होने जा रहा है। भारत के कुल 125 एथलीट स्कॉटलैंड के ग्लासगो में देश के लिए मेडल लाने के लिए जोर लगाते हुए नजर आएंगे। आइए आपको भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ियों के नाम बताते हैं।

अनीश भनवालाः कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल लाने वाले अनीश भनवाला सबसे युवा खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने साल 2018 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को शूटिंग में गोल्ड मेडल दिलाया था। अनीश ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में यह मेडल अपने नाम किया था। मनु भाकरः भारत की स्टार शूटर मनु भाकर कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल लाने वाली दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने 2018 में गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। मनु ने 16 साल और 10 दिन की उम्र में यह मेडल जीता था। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड पर निशाना लगाया था। मेहुली घोषः 2018 गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में मेहुली घोष ने भी सिल्वर मेडल पर निशाना लगाया था। मेहुली ने 17 साल की उम्र में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में यह सिल्वर मेडल जीता था।

एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप में भारत की नजर खिताब पर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें उद्घाटन एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन के इरादे से मैदान में उतरेंगी। ओमान के मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाला यह टूर्नामेंट उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी होगा। इस प्रतियोगिता में एशिया की उभरती हुई सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेंगी और महाद्वीपीय खिताब के साथ विश्व कप का टिकट हासिल करने के लिए मुकाबला करेंगी।

सरदार सिंह की कोचिंग में उतरेगी पुरुष टीम

सरदार सिंह के मार्गदर्शन में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम हाल ही में अंडर-18 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतर रही है। भारत ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। टीम को एलीट पूल में मेजबान ओमान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। पूर्व भारतीय कप्तान रानी की कोचिंग में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम भी प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेगी। यह टीम अंडर-18 महिला एशिया कप 2026 में कांस्य पदक जीत चुकी है। महिला टीम को एलीट पूल में चीन, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है।

20 जुलाई से शुरू होगा भारत का अभियान छुट्टियांव मौसमी आयोजन

भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 जुलाई को करेगा। महिला टीम पहले कजाकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि पुरुष टीम शाम को बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। इसके बाद पुरुष टीम 21 जुलाई को ओमान और पाकिस्तान का सामना करेगी तथा 23 और 24 जुलाई को इन्हीं टीमों के खिलाफ वापसी मुकाबले खेलेगी। महिला टीम 21 जुलाई को चीन और उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि 23 जुलाई को दोबारा कजाकिस्तान और 24 जुलाई को चीन तथा उज्बेकिस्तान के खिलाफ वापसी मैच खेलेगी। वर्गीकरण मुकाबले 25 जुलाई को होंगे। टूर्नामेंट में एलीट पूल के मुकाबले डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेले जाएंगे। लीग चरण की शीर्ष दो टीमें सीधे स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचेंगी, जबकि तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम कांस्य पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई करेगी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच सरदार सिंह ने कहा, अंडर-18 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर खिलाड़ियों ने यह अवसर हासिल किया है। खिताब जीतने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन हॉकी5एस तेज गति और त्वरित निर्णय लेने वाला प्रारूप है। खिलाड़ियों ने अच्छी तैयारी की है। हमारा लक्ष्य अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू करना, निरंतरता बनाए रखना और उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है। हमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ युवा टीमों के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने का इंतजार है। महिला टीम की मुख्य कोच रानी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारी युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर है। अंडर-18 एशिया कप से टीम को काफी अनुभव मिला है और हमने तेज गति वाले हॉकी5एस प्रारूप के अनुसार अच्छी तैयारी की है। खिलाड़ी पूरी तरह उत्साहित हैं और हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं। हमारा उद्देश्य निडर हॉकी खेलना, लगातार बेहतर प्रदर्शन करना और उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए क्वालीफाई करते हुए देश का नाम रोशन करना है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मुनाफा पहली तिमाही में बढ़कर 23 हजार करोड़ के पार

मुंबई। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली देश की अग्रणी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को पहली तिमाही में समेकित आधार पर 23,001 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो एक साल पहले की तुलना में 5.7 प्रतिशत अधिक है।कंपनी ने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। तिमाही के दौरान उसका कुल राजस्व 24.5 फीसदी बढ़कर 3,40,257 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से कच्चे माल की लागत करीब 30 प्रतिशत बढ़ गयी। तिमाही के अंत में कंपनी के पास 2,46,791 करोड़ रुपये की नकदी थी। वहीं उसका शुद्ध ऋण 1,22,914 करोड़ रुपये था। तिमाही परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत स्थिर और सकारात्मक तरीके से की है। हमारे सभी व्यवसायों ने मजबूत परिचालन प्रदर्शन किया है। हमारे विविध व्यवसायिक पोर्टफोलियो ने एक बार फिर अपनी मजबूती और लचीलापन साबित किया है, जबकि इस तिमाही में लगातार भू-राजनीतिक तनाव और अस्थिर कमोडिटी बाजार जैसी चुनौतियां बनी रहीं। ' तिमाही के दौरान कंपनी ने 38,682 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया। जियो प्लेटफ़ॉर्म्स ने तिमाही का रिकॉर्ड परिचालन लाभ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 15.1 प्रतिशत बढ़कर 20,865 करोड़ रुपये रहा।

नौ प्रमुख उद्योगों के लिए 2022-23 के आधार पर संशोधित उत्पादन सूचकांक 20 जुलाई को होगा जारी

नई दिल्ली। आर्थिक सलाहकार कार्यालय (ओईए), उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) का आर्थिक सलाहकार कार्यालय विभाग (ओईए) सोमवार को प्रमुख उद्योगों के लिए नयी संशोधित उत्पादन सूचकांक श्रृंखला (आईसीआई) जारी करने जा रहा है जिसके लिए नया आधार वर्ष 2022-23 रखा गया है। इस श्रृंखला में अब लौह अयस्क उद्योग सहित कुल नौ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन के आंकड़े शामिल किये गये है। वर्तमान प्रमुख उद्योग उत्पादन सूचकांक (आईसीआई) श्रृंखला का तुलनात्मक आधार वर्ष 2011-12 है और इसमें आठ उद्योग शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार आईसीआई का संकलन मासिक आधार पर किया जाता है। सोमवार को जारी संशोधित श्रृंखला में इस वर्ष जून के लिए अनंतिम सूचकांक के साथ-साथ अप्रैल 2023 से मई 2026 (38 महीने) तक की पिछली अवधि का डेटा भी शामिल होगा।औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईसीआई) (2022-23) श्रृंखला के भारांक सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा जारी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) 2022-23 श्रृंखला के भारांकों से लिए गए हैं।

रायपुर के उपभोक्ता फोरम के फैसले को चुनौती देगी मारुति

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा है कि रायपुर के जिला उपभोक्ता विवाद समाधान आयोग के उस आदेश को चुनौती देगी जिसमें एक ग्राहक के वाहन के बदले उसे ई20 के अनुकूल वाहन देने का निर्देश दिया गया है।कंपनी ने गुरुवार को जारी बयान में दावा किया है कि इस मामले में ग्राहक के वाहन से प्राप्त ईंधन में मिलावट के प्रमाण मिले हैं। साथ ही आदेश में कुछ अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों की भी अनदेखी की गयी है। उसने कहा है कि वह कानून के दायरे सक्षम उच्चतर फोरम के समक्ष इस आदेश को चुनौती देने के लिए जरूरी कदम उठायेगी। आयोग ने मारुति सुजुकी और उसके अधिकृत डीलर को सेवा में कमी का दोषी ठहराते हुए उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया था। उसने निर्देश दिया है कि कंपनी 45 दिन के भीतर उपभोक्ता को उसी मॉडल की ई20 अनुकूल नयी कार उपलब्ध कराये या वाहन की कीमत (करीब 20.50 लाख रुपये) सहित पंजीयन, बीमा एवं अन्य मदों में खर्च की गयी राशि लौटाये। साथ ही मानसिक प्रताड़ना के लिए एक लाख रुपये का मुआवजा तथा मुकदमे में खर्च हुये 10 हजार रुपये का भुगतान भी करे।

एक साल में 7.3 करोड़ नए ग्राहक जियो टू 5जी से जुड़े

नई दिल्ली। जियो ने 5जी और डिजिटल कनेक्टिविटी के दम पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। रिलायंस के तिमाही नतीजों में इसकी तस्वीर और साफ हो गई। जियो का कुल ग्राहक आधार बढ़कर 53.33 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि जियो TruezG का सब्सक्राइबर बेस जून 2026 तक 28.5 करोड़ के आंकड़े को छू गया। पिछले 12 महीनों में जियो के 5जी ग्राहकों की संख्या में 7.3 करोड़ की तेज बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ 5त्न ग्राहकों की संख्या ही नहीं बढ़ी, जियो के नेटवर्क पर 5त्न डेटा ट्रैफिक अब 4त्न डेटा ट्रैफिक का करीब 1.5 गुना हो चुका है। नतीजों में कुछ और दिलचस्प आंकड़े भी सामने आए। जियो नेटवर्क पर प्रति ग्राहक डेटा खपत 43.7 GB प्रति माह रही, जबकि तिमाही के दौरान कुल डेटा ट्रैफिक सालाना आधार पर 26.9फीसदी बढ़कर 69.4 बिलियन त्नकतक पहुंच गया। यह संकेत देता है कि भारत में अगली पीढ़ी के मोबाइल नेटवर्क पर जियो की पकड़ तेजी से गहरी हो रही है। मोबाइल कनेक्शन्स के मोर्चे पर भी जियो की रफ्तार बनी रही। तिमाही के दौरान जियो का नेट सब्सक्राइबर एडिशन 89 लाख रहा। जून '26 तक कंपनी का कुल सब्सक्राइबर बेस 53.33 करोड़ तक पहुंच गया। ग्राहक संख्या में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में आई है, जब कंपनी 5त्न नेटवर्क पर उपयोग और डेटा खपत, दोनों मोर्चों पर मजबूत रफ्तार दिखा रही है।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा पांच फीसदी बढ़कर 19,059.72 करोड़ रुपये, एनपीए में भी सुधार

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 (अप्रैल-जून) की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित कर दिए हैं। बैंक का एकल आधार (स्टैंडअलोन) पर शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) सालाना आधार पर लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 19,059.72 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 18,155.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि पहली तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय घटकर 92,184 करोड़ रुपये रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में यह 99,200 करोड़ रुपये थी। बैंक के अनुसार, एकीकृत (कंसोलिडेटेड) आधार पर पहली

तिमाही में शुद्ध लाभ बढ़कर 19,245 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही बैंक की ब्याज आय (इंटरेस्ट अर्न्ड) बढ़कर 79,363 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 77,470 करोड़ रुपये थी। बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय (नेट इंटरेस्ट इनकम-एनआईआई) सात प्रतिशत बढ़कर 33,530 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 31,440 करोड़ रुपये थी। बैंक के अनुसार, ऋण वितरण में वृद्धि और मजबूत परिचालन प्रदर्शन का सकारात्मक प्रभाव शुद्ध ब्याज आय पर देखने को मिला। तिमाही परिणामों में बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) में भी सुधार दर्ज किया गया। अप्रैल-जून तिमाही के अंत तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (ग्रॉस एनपीए) घटकर कुल ऋण का 1.17 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 1.40 प्रतिशत थी। इसी तरह शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (नेट एनपीए) भी घटकर 0.41 प्रतिशत पर आ गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 0.47 प्रतिशत थी। बैंक ने कहा कि एनपीए में कमी उसके ऋण पोर्टफोलियो की गुणवत्ता में सुधार का संकेत है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 675 अरब डॉलर के पार पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जुलाई को समाप्त हफ्ते में 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा एफसीए 930 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 546.51 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई के मुताबिक देश का स्वर्ण भंडार 24 मिलियन डॉलर बढ़कर 105.223 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, विशेष आहरण

अधिकार (एसडीआर) 30 लाख यूएस डॉलर की वृद्धि के साथ 18.626 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति भी 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.793 अरब डॉलर हो गई है।

एपीडा ने जम्मू-कश्मीर से पहली बार सिंगापुर को प्रीमियम चेरी और आलूबुखारे का किया निर्यात

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों से पहली बार प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम (आलूबुखारा) की खेप सिंगापुर निर्यात कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस पहल से क्षेत्र के बागवानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी और उनकी आय में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि यह उपलब्धि जम्मू-कश्मीर के बागवानी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे पहले कश्मीर से ताजी चेरी और प्लम का सफल निर्यात संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी और दुबई के बाजारों में किया जा चुका है। अब सिंगापुर जैसे नए और उच्च मूल्य वाले बाजार तक पहुंच बनने से कश्मीर के प्रीमियम शीतोष्ण फलों की वैश्विक पहचान और मजबूत होगी। मंत्रालय के अनुसार, एपीडा ने मेसर्स ओसुम फूड

सॉल्यूशंस एलएलपी तथा मेसर्स फ्रूट मास्टर एग्रो फ्रेश प्राइवेट लिमिटेड, पुलवामा के सहयोग से 16 जुलाई को सिंगापुर के लिए पहली निर्यात खेप को रवाना किया। इस अवसर पर फ्लैग-ऑफ समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें निर्यातकों और संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्रालय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियां उच्च गुणवत्ता वाले चेरी, प्लम, सेब और अन्य शीतोष्ण फलों के उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बढ़ने से स्थानीय किसानों और बागवानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

पंजाब नेशनल बैंक का अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 5,253 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक का पहली तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ तीन गुना से ज्यादा होकर 5,253 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में बैंक का शुद्ध लाभ 1,675 करोड़ रुपये रहा था।

पीएनबी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि 30 जून, 2026 को समाप्त पहली तिमाही में उसकी कुल आय 37,231 करोड़ रुपये पर स्थिर रही। हालांकि, बैंक की ब्याज आय थोड़ी बढ़कर 32,897 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 31,964 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 7,519 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में ये 7,081 करोड़ रुपये था। पंजाब नेशनल बैंक के अनुसार

बैंक की संपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। अप्रैल-जून तिमाही में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर कुल कर्ज का 2.78 फीसदी रही, जो एक साल पहले 3.78 फीसदी थी। इसी तरह शुद्ध एनपीए यानी फंसा कर्ज घटकर 0.26 फीसदी रह गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में ये 0.38 फीसदी था।बैंक के अनुसार कुल रकम के रूप में सकल एनपीए घटकर 35,381 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 42,673 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, शुद्ध (एनपीए) घटकर 3,433 करोड़ रुपये रहा., जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4,132 करोड़ रुपये था।

आईडीबीआई बैंक को अप्रैल-जून तिमाही में में 2115 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक को पहली तिमाही में 2,115 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जो सलाना आधार पर पांच फीसदी अधिक है। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में 2,007 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

आईडीबीआई बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 8,573 करोड़ रुपये हो गई है, जो वित्त 2025-26 की समान तिमाही में 8,458 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 7,541 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7,021 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुताबिक मुख्य शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) चालू वित्त वर्ष 2026-27 की

पहली तिमाही में 10 फीसदी बढ़कर 3,486 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 3,166 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बैंक का परिचालन लाभ घटकर 2,168 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 2,354 करोड़ रुपये था। आईडीबीआई बैंक ने कहा कि बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) भी घटकर इस दौरान 3.61 फीसदी रहा, जो वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 3.68 फीसदी था। बैंक ने कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात घटकर सकल ऋण के 2.3 फीसदी पर आ गया है, जो एक साल पहले 2.93 फीसदी था। इसी तरह पहली तिमाही में बैंक की शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएनपीए) यानी फंसा कर्ज भी घटकर 0.16 फीसदी रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 0.21 फीसदी था। आईडीबीआई बैंक की कुल जमा राशि भी 30 जून, 2026 तक 10 फीसदी बढ़कर 3,25,757 करोड़ रुपये हो गई, जो 30 जून, 2025 को कुल 2,96,782 करोड़ रुपये थी। बैंक की शुद्ध कर्ज राशि 30 जून, 2026 को 22 फीसदी बढ़कर 2,58,968 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में 2,11,907 करोड़ रुपये थी।

आईसीआईसीआई बैंक का पहली तिमाही का मुनाफा 14,805 करोड़ पर

एजेंसी

मुंबई। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 15.9 फीसदी बढ़कर 14,805 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक के निदेशकमंडल की बैठक के बाद जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार, तिमाही के दौरान ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 24,384 करोड़ रुपये पर रही। ब्याज से इतर आय 16 प्रतिशत बढ़कर 8,425 करोड़ रुपये रही। इसमें शुल्क का योगदान 7,286 करोड़ रुपये रहा जो सालाना 23.5 प्रतिशत अधिक है। कुल शुल्क में 72 प्रतिशत खुदरा, ग्रामीण और बिजनेस बैंकिंग ग्राहकों से प्राप्त हुआ है। परिचालन पर बैंक की लागत भी एक साल पहले के मुकाबले 10.4 फीसदी बढ़कर 12,574 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। बैंक द्वारा दी गयी कुल उधारी एक साल पहले के मुकाबले 19.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,31,260 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी है। वहीं, बैंक के पास जमा राशि 14 प्रतिशत बढ़कर 18,33,586 करोड़ रुपये पर रही। चालू तथा बचत खातों में कुल जमा

राशि में 12.1 फीसदी की इजाफा हुआ है।

तिमाही के दौरान सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का अनुपात तिमाही दर तिमाही 1.40 प्रतिशत से सुधरकर 1.38 प्रतिशत रह गया है। वहीं, शुद्ध एनपीए 0.33 प्रतिशत से बढ़कर 0.35 प्रतिशत पर पहुंच गया।

भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जल्द ही वैश्विक विकास में इसका छठा हिस्सा होगा: सीतारमण

एजेंसी

मदुरै। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जल्द ही वैश्विक विकास में इसकी हिस्सेदारी एक-छठे हिस्से से ज्यादा होगी। उन्होंने युवाओं और उद्यमियों से जोखिम उठाने और इस योगदान को वैश्विक विस्तार के एक-चौथाई तक ले जाने का आह्वान किया। सीतारमण ने तिमलनाडु के मदुरै में आयोजित यंग इंडियंस फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस (वाईआईएफआई) समिट 2026 के विशेष पूर्ण अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा, भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। अनुमान है कि आने वाले वर्षों में वैश्विक विकास में हमारा योगदान

लगभग 1/6वां हिस्सा होगा। सीतारमण ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अब दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने उद्यमियों से जोखिम उठाने और मौकों का फ़ायदा उठाने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने कहा, दुनिया में सबसे युवा वर्कफोर्स हमारे पास है। इनमें उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता प्राप्त 2.4 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स ने मिलकर 23 लाख से ज़्यादा डायरेक्ट नौकरियां पैदा की है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास 2,100 से ज्यादा वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हैं, जो मेट्रो शहरों से आगे बढ़ चुके हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक इंटरनेशनल बेंचमार्क बन गया है। यूपीआई हर महीने 20 अरब से ज्यदा लेन-देन की प्रक्रिया कर रहा है। साथ ही महत्वाकांक्षी और उद्यमी भारतीयों के लिए नए मौके बन रहे हैं, जो रुकावटें कभी टैलेंट और मौकों के बीच थीं, वे धीरे-धीरे कम हो रही हैं।

रिजर्व बैंक ने नियमों का पालन न करने पर मुथूट फाइनेंस सहित छह कंपनियों पर जुर्माना लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नियमों का पालन न करने के लिए छह कंपनियों पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने इन कंपनियों पर विभिन्न नियामकीय कमियों और उल्लंघनों की वजह से 2.70 लाख से लेकर 6.20 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया है। इनमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मुथूट फाइनेंस भी शामिल है।

आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार सेंट्रल बैंक ने मुथूट फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपये, सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड और पैन एमामी कॉस्मेड पर 3.10-3.10 लाख रुपये, धनी लोन्स एंड सर्विसेज और मुथूट व्हीकल एंड एसेट फाइनेंस पर 2.70-2.70 लाख रुपये और

अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने बताया कि मुथूट फाइनेंस पर जुर्माना इसलिए लगाया है, क्योंकि वह खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था को लागू करने में विफल रही है। इसके अलावा संदिग्ध लेनदेन की प्रभावी पहचान तथा सूचना के लिए मजबूत सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल नहीं किया। इसी प्रकार अलग अलग कारणों से अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज, पैन एमामी कॉस्मेड और सत्य माइक्रोकैपिटल तथा अन्य पर भी जुर्माना लगाया गया है।

विकसित भारत के लक्ष्यों के लिए देश के ऋण पूंजी बाजार में बुनियादी बदलाव जरूरी : क्रिसिल इयरबुक

एजेंसी

मुंबई। देश के ऋण-पूंजी (बॉंड) बाजार पर रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के एक वार्षिक प्रकाशन में कहा गया है कि विकसित भारत के लिए घरेलू बॉंड बाजार में बुनियादी सुधार जरूरी हैं और इस संबंध में नीतियों में सुधार करने होंगे। मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन की उपस्थित में मुंबई में जारी 'इंडियन डेट मार्केट इयरबुक 2026 - ' बॉंडिंग फॉर विकसित भारत 2047? में एक विश्लेषण में कहा गया है कि 2047 तक देश में गैर-सरकारी ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 150 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इस इयरबुक के लोकार्पण के अवसर पर क्रिसिल लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिश मेहता, क्रिसिल रेटिंग्स लि के प्रबंध निदेशक सुबोध राय, तथा क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी उपस्थित थे। क्रिसिल की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के 30 ट्रिलियन (30 लाख करोड़) डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को साकार करने के लिए स्थानीय निकायों, कॉरपोरेट्स और व्यक्तियों को उनकी पूर्ण क्षमता तक विकसित होने हेतु भारी वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। इस स्तर का वित्त पोषण आर्थिक उतार-चढ़ावों के के दौरान भी किफायती बना रहना चाहिए।

एथर एनर्जी ने ईवी स्कूटरों की बैटरी में किया बड़ा बदलाव, छोटी क्षमता के बावजूद मिलेगी अधिक रेंज

एजेंसी

नई दिल्ली। एथर एनर्जी ने बैटरी तकनीक में किया महत्वपूर्ण बदलाव देश की प्रमुख ईवी स्कूटर निर्माता कंपनी एथर एनर्जी ने अपने लोकप्रिय ईवी स्कूटर रिज्टा और 450 श्रृंखला की बैटरी तकनीक में अहम बदलाव किए हैं। कंपनी ने बैटरी की क्षमता में हल्का संशोधन करने के साथ-साथ रिज्टा के कुछ मॉडल में नई बैटरी रसायन तकनीक भी शामिल की है। खास बात यह है कि इन बदलावों के बावजूद स्कूटरों की रेंज, प्रदर्शन, वारंटी और कीमतों में कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

रिज्टा में बदली बैटरी क्षमता

कंपनी ने रिज्टा के बैटरी पैक की क्षमता में परिवर्तन किया है। पहले यह ईवी स्कूटर 2.9 किलोवाट-घंटा और 3.7 किलोवाट-घंटा क्षमता वाले बैटरी पैक के साथ उपलब्ध था। अब इन्हें क्रमशः 2.7 किलोवाट-घंटा और 3.5 किलोवाट-घंटा कर दिया गया है।

दिलचस्प बात यह है कि छोटी बैटरी वाले मॉडल की प्रमाणित रेंज 123 किलोमीटर पहले की तरह बरकरार रखी गई है। वहीं बड़ी बैटरी वाले मॉडल की प्रमाणित रेंज 159 किलोमीटर से बढ़कर 161 किलोमीटर हो गई है। यानी बैटरी की क्षमता कम होने के बावजूद वाहन पहले जितनी या उससे अधिक दूरी तय करने में सक्षम होगा।

नई बैटरी रसायन तकनीक की शुरुआत

एथर एनर्जी ने रिज्टा के छोटे बैटरी संस्करणों में अब नई प्रकार की बैटरी रसायन तकनीक का उपयोग भी शुरू कर दिया है। पहले इस मॉडल में केवल निकल-मैंगनीज-कोबाल्ट आधारित बैटरी का उपयोग होता था, जबकि अब कुछ संस्करणों में लिथियम-फेरस-फॉस्फेट आधारित बैटरी भी दी जाएगी। आमतौर पर लिथियम-फेरस-फॉस्फेट बैटरी की ऊर्जा घनत्व निकल-मैंगनीज-कोबाल्ट बैटरी की तुलना में कम मानी जाती है, लेकिन एथर का दावा है कि नई तकनीक के साथ भी वाहन की रेंज में कोई कमी नहीं आएगी। इससे स्पष्ट होता है कि कंपनी ने बैटरी प्रबंधन प्रणाली और ऊर्जा दक्षता में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।

ग्राहक अपनी पसंद से बैटरी नहीं चुन सकेंगे

कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया है कि रिज्टा में दोनों प्रकार की बैटरियों का उपयोग जारी रहेगा। किसी ग्राहक को यह विकल्प नहीं मिलेगा कि वह कौन-सी बैटरी वाला मॉडल खरीदना चाहता है। वाहन में कौन-सी बैटरी दी जाएगी, इसका निर्णय उपलब्धता और आपूर्ति के आधार पर कंपनी करेगी।

450 श्रृंखला में भी बदली बैटरी क्षमता

एथर की 450 श्रृंखला में भी बैटरी क्षमता में बदलाव किया गया है। पहले बड़े संस्करण में 3.7 किलोवाट-घंटा क्षमता की बैटरी मिलती थी, जिसे अब 3.5 किलोवाट-घंटा कर दिया गया है। इसके बावजूद इस मॉडल की प्रमाणित रेंज 161 किलोमीटर ही बनी रहेगी। वहीं छोटे बैटरी संस्करण में पहले की तरह 2.9 किलोवाट-घंटा क्षमता बरकरार रखी गई है। इसकी प्रमाणित रेंज भी बिना किसी बदलाव के यथावत रहेगी। कंपनी का कहना है कि 450 श्रृंखला में अधिक शक्तिशाली मोटर होने के कारण इसमें अभी भी केवल निकल-मैंगनीज-कोबाल्ट आधारित बैटरी का ही उपयोग किया जाएगा, क्योंकि यह बेहतर प्रदर्शन देने में अधिक सक्षम है।

अब मिलेगा अधिक क्षमता वाला पोर्टेबल चार्जर

दोनों ईवी स्कूटर के बड़े बैटरी संस्करणों के साथ अब पहले की तुलना में अधिक क्षमता वाला 900 वॉट का पोर्टेबल चार्जर दिया जाएगा। यह पुराने 700 वॉट चार्जर की जगह लेगा।

कंपनी के अनुसार, नए चार्जर की मदद से बैटरी को शून्य से 80 प्रतिशत तक चार्ज करने में लगभग 3 घंटे 12 मिनट का समय लगेगा। पहले यही प्रक्रिया करीब 4 घंटे 30 मिनट में पूरी होती थी। इससे चार्जिंग समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और उपयोगकर्ताओं को अधिक सुविधा मिलेगी।

नेपाल सरकार ने मानसून आपदा प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के संचालन पर रोक लगाई

एजेंसी

काठमांडू। बाढ़, भूस्खलन और जलभराव के बढ़ते खतरे को देखते हुए नेपाल सरकार ने मानसून से प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के संचालन पर रोक लगा दी है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं व्यवस्थापन प्राधिकरण ने जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने देश के 35 जिलों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी किए जाने के बाद अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। समयऔर कैलेंडर प्राधिकरण के कार्यवाहक प्रमुख कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार कोइराला ने बताया कि यह निर्णय विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ की आशंका वाले सड़क खंडों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा जोखिम को देखते हुए हमने भूस्खलन प्रभावित जिलों में वाहनों का संचालन नहीं करने का अनुरोध किया था। आज भी वास्तविक मौसम और सड़क की स्थिति का आकलन करने के बाद ही वाहनों को चलाने की अनुमति दी जाएगी।

नेपाल की जनता को नुकसान देने वाले फैसले रातोंरात बदले जाएंगे : लामिछाने

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने कहा है कि यदि सरकार के किसी फैसले से जनता को बड़ा नुकसान होता है, तो उसे रातोंरात बदला जा सकता है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि यह कोई अपरिवर्तनीय नीति नहीं है। जरूरत पड़ने पर बदलाव किया जाएगा। सरकार को थोड़ा समय और धैर्य दीजिए। लामिछाने ने कहा कि सरकार जिस उद्देश्य से निर्णय लेती है, यदि वही निर्णय जनता के लिए नुकसानदायक साबित होता है, तो उसे बदला जाएगा। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन हमें सरकार को थोड़ा समय देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि कई बार किसी नीति को लागू करने के दौरान व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आती हैं। यदि किसी निर्णय से व्यापक नुकसान होता है, तो उसे तत्काल बदलना आवश्यक हो जाता है। पार्टी के सांसदों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को सीमा क्षेत्र के लोगों को सरकार के हालिया फैसलों, विशेषकर 100 रुपये की सीमा और अन्य प्रावधानों के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने इन मुद्दों के समाधान के लिए रवि लामिछाने से पहल करने का आग्रह किया।कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनने के बाद लामिछाने ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का बचाव करते हुए कहा कि सरकार की मंशा गलत नहीं है। उन्होंने कहा, निर्णयों में गलती हो सकती है और उन्हें सुधारा जा सकता है, लेकिन यदि नीयत ही खराब हो, तो उसे सुधारना कठिन होता है।

अमेरिका-ईरान तनाव पर पाकिस्तान और कुवैत ने की संयम बरतने की अपील

इस्लामाबाद। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास एक बार फिर बढ़ते सैन्य तनाव के बीच पाकिस्तान और कुवैत ने अमेरिका और ईरान से पिछले महीने हुए इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) का सम्मान करने तथा क्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने की अपील की है। यह अपील पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और कुवैत के विदेश मंत्री शेख जर्राह जाबेर अल-अहमद अल-सबाह के बीच हुई टेलीफोन वार्ता के दौरान की गई। दोनों नेताओं ने खाड़ी क्षेत्र की मौजूदा सुरक्षा स्थिति और बढ़ते तनाव पर विस्तार से चर्चा की। वार्ता के दौरान कुवैत के विदेश मंत्री ने अपने देश पर लगातार हो रहे हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी पक्षों को अधिकतम संयम बरतना चाहिए तथा इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन को पूरी तरह लागू करना चाहिए। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई या उकसावे वाले कदम पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और वैश्विक व्यापार के लिए गंभीर चुनौती बन सकते हैं। उन्होंने विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

पाकिस्तान में वांछित आतंकी खालिद उर्फ कमांडर मारा गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रांतीय पुलिस बलों की प्रमुख खुफिया और आतंकवाद-रोधी शाखा काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में वांछित आतंकवादी खालिद उर्फ कमांडर को मुठभेड़ में मार गिराया। अधिकारियों के अनुसार सीटीडी को यह सफलता डेरा इस्माइल खान इलाके में मिली। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार खुफिया सूचना पर आतंकवादी खालिद उर्फ कमांडर को दबोचने के लिए दबिश दी गई। उससे आत्मसमर्पण की अपील की गई। इसे अनसुना कर उसने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाकर्मियों की जवाबी गोलीबारी में वह मारा गया। वह सिपाही मोहम्मद अली की हत्या में शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि वह टीटीपी जाकिर कोची कारवां समूह से जुड़ा हुआ था। उसके पास से 9 एमएम की पिस्तौल, एक हैंड ग्रेनेड और एक स्मार्टफोन बरामद किया गया। इससे पहले खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू में 27 विद्रोहियों के मारे जाने की खबर आई। पाकिस्तानी सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने शुक्रवार दोपहर जारी बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले और आसपास के जिलों में 24 विद्रोहियों को मार गिराया है। खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को दो स्थानों हमले हुए थे। लोवर दीर में पुलिस के काफिले को निशाना बनाया गया। दूसरा हमला बन्नू जिले के मिरयान पुलिस स्टेशन पर हुआ था।

अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद ईरान पर ताबड़तोड़ हमले जारी, बंदर अब्बास और केशम द्वीप में यूएस ने किए कई धमाके

एजेंसी

वाशिंगटन। ईरान के हमले में पहली बार दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई। इसके बाद अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने सैनिकों के मारे जाने के जवाब में ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में कमर्शियल शिपिंग को धमकाने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करने और उन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) बलों को तत्काल जवाब देने के लिए किए गए हैं, जिन्होंने कल रात जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया था।' सेंटकॉम के अनुसार, ईरानी हमले में दो अमेरिकी सैनिक मारे गए, जबकि एक अन्य सैनिक लापता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक अलग बयान में कहा कि कमांडर-इन-चीफ के निर्देश पर अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ हमलों का नया दौर शुरू

किया है। वहीं, ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, पिछले दिन हुए अमेरिकी हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही संघर्ष के इस नए दौर में मरने वालों की कुल संख्या 50 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन करमानपुर ने कहा कि 27 जून से अब तक अमेरिकी हमलों में कम से कम 500 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में पांच महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह बंदर अब्बास और केशम द्वीप पर विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। तस्नीम समाचार एजेंसी ने होर्मुज स्ट्रेट स्थित केशम द्वीप के निवासियों के हवाले से बताया कि द्वीप के कई हिस्सों में विस्फोट हुए। एजेंसी के अनुसार, हाल के दिनों में अमेरिकी विमानों ने कई बार केशम द्वीप को निशाना बनाया, जिससे वहां के कुछ हिस्सों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। बंदर अब्बास के बंदरगाह शहर में भी कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। वाशिंगटन और तेहरान के बीच फिर से शुरू हुई सैन्य कार्रवाई के बीच दोनों स्थान अमेरिकी हमलों का निशाना बने हैं।

नेपाल के 35 जिलों में बाढ़ का खतरा, नदी किनारे रहने वालों को किया गया सतर्क

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के बाढ़ पूर्वानुमान महाशाखा ने देश के विभिन्न हिस्सों में रविवार को बाढ़ की आशंका जताते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। महाशाखा के अनुसार काठमांडू, भक्तपुर और ललितपुर सहित 35 जिलों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इन क्षेत्रों की नदियों के जलस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। आज जारी सूचना में कहा गया है कि झापा, मोरंग, सुनसरी, इलाम, पाँचथर, तेह्रथुम, दोलखा, सिन्धुपालचोक, काभ्रेपलाञ्चोक, काठमांडू, भक्तपुर, ललितपुर, धादिङ, मकवानपुर और चितवन जिलों की छोटी नदियों का जलप्रवाह काफी बढ़ सकता है। इसी तरह कास्की, तनहुँ, स्याङ्जा, पर्वत, बागलुङ, गुल्मी, पाल्पा, अर्घाखाँची, प्युठान, नवलपरासी (पूर्व), नवलपरासी (पश्चिम), रुपन्देही, कपिलवस्तु, दाङ, बाँके, बर्दिया, डोटी, डडेलधुरा, कैलाली और कञ्चनपुर जिलों की नदियों में भी जलस्तर बढ़ने की संभावना जताई गई है। महाशाखा ने इन

जिलों में अचानक आने वाली बाढ़ (फ्लैश फ्लड) का मध्यम स्तर का खतरा बताया है तथा नदी किनारे और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने और सतर्क रहने की अपील की है।

अमेरिका ने नागरिक ढांचे को निशाना बना अंतरराष्ट्रीय कानून का किया उल्लंघनः संयुक्त राष्ट्र में ईरान

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र/तेहरान। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर-सईद इरावानी ने अमेरिका पर ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखा है। इरावानी ने पत्र में कहा कि अमेरिकी हमलों में बंदरगाहों, परिवहन नेटवर्क, संचार सुविधाओं, लॉजिस्टिक्स हब, रडार प्रतिष्ठानों, तटीय रक्षा प्रणालियों और अन्य ऐसे ढांचों को भारी नुकसान पहुंचाया गया, जो आम नागरिकों के जीवन और देश की अर्थव्यवस्था के संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन हमलों में हुई 'मौतों, घायलों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान और पर्यावरणीय क्षति' के लिए अमेरिका जिम्मेदार है। इरावानी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि अमेरिका के ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं और इनकी निरंतरता 'अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा, समुद्री नौवहन की स्वतंत्रता, क्षेत्रीय स्थिरता तथा फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा' के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है।

ईरान के अधिकारियों ने दावा किया है कि अमेरिका के एक हमले में देश के तटीय इलाके बुंजी गांव (जस्क काउंटी, होर्मोजगान प्रांत) स्थित समुद्री जल को साफ करने वाले (डिसेलिनेशन) संयंत्र के पंपों को नुकसान पहुंचा, जिससे आसपास के 20 गांवों में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है।

ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, होर्मोजगान वाटर एंड वेस्टवॉटर कंपनी के प्रमुख हम्जेह पूर ने कहा कि इस हमले से लगभग 10,000 लोगों की पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

पूर के मुताबिक, बुंजी डिसेलिनेशन प्लांट में समुद्र से पानी खींचने वाले पंपिंग स्टेशन और एक बिजली ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह नष्ट हो गए। उन्होंने कहा कि प्रभावित गांवों में अब गंभीर जल संकट पैदा हो गया है और स्थानीय प्रशासन आपूर्ति बहाल करने के प्रयास कर रहा है। इस बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए हैं। उसने बताया कि कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के फ्यूल सपोर्ट पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन व मिसाइलों से हमला किया। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आईआरजीसी ने बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' को भी नष्ट कर दिया।

मॉस्को में यूक्रेन का ड्रोन अटैक, एक की मौत, 61 घायल

एजेंसी

मॉस्को। रूस के मॉस्को इलाके में यूक्रेन ने ड्रोन हमले किए, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई, जबकि 61 लोग घायल हो गए। रिजनल गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। वोरोब्योव ने बताया कि ड्रोन हमले में घायल हुए 20 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, नौ अन्य लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि 31 लोगों की स्थिति स्थिर है। घायलों को उपचार के लिए डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। अधिकांश पीड़ितों को छर्रे और विस्फोट से चोटें आई हैं, साथ ही मस्तिष्क में गंभीर चोटें, हड्डियां टूटना, जलने और धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं भी हुई हैं।

वोरोब्योव ने कहा कि मॉस्को से लगभग 60 किलोमीटर पूर्व में स्थित इलेक्ट्रोस्टल शहर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ, जहां 57 लोग घायल हुए, जबकि नोगिन्स्क में चार अन्य लोग घायल हुए।

इससे पहले वोरोब्योव ने कहा था कि इलेक्ट्रोस्टल में एक गोदाम के परिसर में ड्रोन गिरने से 24 लोग घायल हो गए थे। इस बीच रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने पिछले 24 घंटों में 774 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग ड्रोन और 13 निर्देशित हवाई बमों को मार गिराया है। मंत्रालय ने कहा कि रूसी सेना ने पूरी रात यूक्रेन के सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और हवाई हमले किए।

मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों में ओडेसा बंदरगाह के उस बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया, जिसका इस्तेमाल ईंधन और लुब्रिकेंट उतारने के लिए किया जाता

है। साथ ही, यूक्रेनी सेना को मदद पहुंचाने वाले ईंधन भंडारण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया।

मंत्रालय ने आगे कहा कि यूक्रेन के ओडेसा इलाके में चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर गोला-बारूद उतार रहे एक कंटेनर जहाज पर भी हमला किया गया। रूसी सेना ने काला सागर में स्नेक आइलैंड के पास एक ड्राई कार्गो जहाज को भी निशाना बनाया, जो यूक्रेनी सेना के लिए सामान ले जा रहा था।

ईरान के खुजेस्तान प्रांत में भूकंपः तीव्रता 5.0 दर्ज, आपात सेवाएं अलर्ट पर

एजेंसी

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुजेस्तान में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में आपात सेवाओं को हाई अलर्ट पर कर दिया है। प्रांत के गवर्नर सैयद मोहम्मद रजा मौलाइजादेह ने कहा कि उन्होंने बचाव और राहत कार्यों में जुटी सभी एजेंसियों को पूरी तरह सक्रिय रहने के निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही, किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को तैयार रहने को कहा गया है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने तेहरान विश्वविद्यालय के भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि यह भूकंप लगभग 12 किलोमीटर (7.5 मील) की गहराई में आया। झटके महसूस होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव टीमों को प्रभावित इलाकों में भेज दिया, ताकि स्थिति का जल्द से जल्द आकलन किया जा सके। गवर्नर

मौलाइजादेह ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण दल लगातार निरीक्षण कर रहे हैं और अब तक किसी भी स्थान से जनहानि या बड़े पैमाने पर संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित कार्यकारी संस्थाएं पूरी सतर्कता के साथ काम कर रही हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। दोनों देशों के बीच संघर्षविराम (सीजफायर) टूटने के बाद पिछले एक सप्ताह से सैन्य कार्रवाई और जवाबी हमलों का सिलसिला जारी है। अमेरिकी सेना लगातार ईरान के विभिन्न ठिकानों को निशाना बना रही है, जबकि तेहरान भी खाड़ी क्षेत्र में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले कर चुका है। ईरान द्वारा जॉर्डन स्थित एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर किए गए हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य सैनिक लापता बताया गया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी चिंताएं और बढ़ गई हैं। खुजेस्तान में भूकंप के प्रभाव का विस्तृत आकलन जारी है। प्रशासन का कहना है कि यदि किसी प्रकार की क्षति या आपात स्थिति सामने आती है तो राहत और बचाव कार्यों को तत्काल तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, मध्य पूर्व में सतर्क रहने की दी सलाह

एजेंसी

वाशिंगटन। ईरान और क्षेत्रीय देशों के बीच जारी सैन्य तनाव के मद्देनजर अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए नई ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने लोगों से मध्य पूर्व की यात्रा पर पुनर्विचार करने और विशेष रूप से कुछ संवेदनशील इलाकों से दूर रहने की अपील की है। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि मध्य पूर्व के कई हिस्सों में सुरक्षा स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है। क्षेत्र में मिसाइल हमले, ड्रोन हमले, आतंकवादी गतिविधियां जैसे खतरे बने हुए हैं। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे स्थानीय घटनाक्रम पर लगातार नजर रखें, स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और जरूरत पड़ने पर नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास के संपर्क में रहें।

अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व के विभिन्न हिस्सों में सैन्य हमलों का सिलसिला जारी है। दोनों पक्षों की कार्रवाई में सैन्य ठिकानों, ऊर्जा ढांचे और होर्मुज के आसपास रणनीतिक स्थानों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आई हैं। विभाग ने नागरिकों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा करने, बड़े सार्वजनिक आयोजनों और विरोध प्रदर्शनों से दूर रहने, यात्रा दस्तावेजों को अपडेट रखने और स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम (एसटीईपी) में पंजीकरण कराने की सलाह दी है। क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण कई एयरलाइंस ने मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों के लिए उड़ानें रद्द की हैं या उनके मार्ग बदले हैं। हाल के दिनों में कुछ क्षेत्रों में अस्थायी हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के बाद यात्रा व्यवस्था प्रभावित हुई है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा स्थिति तेजी से बदल सकती है, जिससे वाणिज्यिक उड़ानों और सीमा पार आवाजाही पर असर पड़ सकता है। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए इसी तरह की सुरक्षा चेतावनियां जारी की हैं। क्षेत्र में रहने वाले प्रवासियों, कारोबारियों और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है।

अमेरिका ने समझौते से किए वादे नहीं निभाए, इसलिए ईरान ने भी अपने दायित्वों का पालन रोकाः उपविदेश मंत्री गरीबाबादी

एजेंसी

तेहरान। ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपविदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ शांति समझौते के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना बंद कर दिया है। वाशिंगटन ने समझौते के तहत अपने वादों को तोड़ा है। सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में, गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका ने समझौते के तहत अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को असल में तोड़ा है या रद्द कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान अब अपना बचाव करने पर ध्यान दे रहा है और बातचीत की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा, 'अभी हमारे सामने देश का मजबूती से बचाव करने की चुनौती है। इस बार भी, अमेरिकियों को पहले ही जवाब मिल चुका है कि इन आक्रामक कार्रवाइयों से कुछ नहीं होगा। अगर वे समझदार हैं, तो उन्हें दूसरे तरीके चुनने चाहिए।'

दूसरी तरफ, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिकी समयानुसार, शनिवार की रात को जानकारी देते हुए लिखा, 'अमेरिकी सेना ने आज (शनिवार) शाम 6 बजे कमांडर इन चीफ के कहने पर ईरान के खिलाफ नए एयरस्ट्राइक शुरू किए। ये हमले होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग को खतरा पहुंचाने की ईरान की क्षमता को और कम करने और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की सेना को तुरंत सजा देने के लिए किए गए हैं, जिन्होंने कल रात जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हमले किए थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि ईरान के खिलाफ कार्रवाई में दो यूएस सैनिक मारे गए और एक लापता हैं। मार्च के बाद से ईरानी गोलीबारी में पहली अमेरिकी सैनिक की मौत है। सेंट्रल कमांड ने कहा, '17 जुलाई को, जॉर्डन में दो अमेरिकी सेवा सदस्य मारे गए, जब अमेरिकी सेंट्रल कमांड और साझेदार फोर्स ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाव कर रहे थे। इसके अलावा, एक सेवा सदस्य अभी लापता है।' कमांड के अनुसार, चार और अमेरिकी सेवा सदस्य को मेडिकली जॉर्डन के हॉस्पिटल में ले जाया गया, लेकिन उन्हें छुट्टी दे दी गई। दूसरे लोगों को मामूली चोटें आईं और वे ड्यूटी पर लौट आए हैं। वहीं, शहीदों की पहचान से संबंधित जानकारी को लेकर उन्होंने कहा कि सैनिकों की पहचान उनके परिवार वालों को बताए जाने के 24 घंटे बाद तक सार्वजनिक तौर पर साझा नहीं करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सैनिकों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने बताया, 'हमें ऐसा होते देखना अच्छा नहीं लग रहा। हमारे देश की सेवा करते हुए वो शहीद हुए।' इसके अलावा, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने एक्स पर लिखा, 'भगवान आपका भला करे, हीरो। उनकी कुर्बानी हमारे इरादे को और मजबूत करती है।' ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने एक बयान में जॉर्डन के अल-अजराक में अमेरिकी सेना के बेस पर हुए हमलों की जिम्मेदारी ली।

इजरायल की आलोचना करने वालों को दबाने के लिए अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसों का इस्तेमाल : अराघची

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने निशाना साधते हुए दावा किया कि अमेरिकी टैक्सपेयर के पैसे का इस्तेमाल इजरायल की आलोचना करने वालों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है। टाइम मैगजीन की एक रिपोर्ट साझा कर विदेश मंत्री अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अमेरिकी नागरिकों को विदेशी प्रभाव को लेकर चेतावनी दी जा रही है। लेकिन, उस व्यापक इजरायली अभियान का क्या, जिसके जरिए अमेरिकी सरकार को एक ऐसे युद्ध में धकेलने की कोशिश की जा रही है, जिसे जीता नहीं जा सकता और जिसे चुनना अमेरिका की अपनी प्राथमिकता भी नहीं थी?' उन्होंने कहा, 'इससे भी गंभीर बात यह है कि इजरायल पर अमेरिकी करदाताओं के पैसों का इस्तेमाल कर अमेरिका के भीतर अपने आलोचकों की आवाज दबाने का आरोप लगाया जा रहा है। यह सब जल्द ही सबके सामने उजागर हो जाएगा।' बता दें, विदेश मंत्री अराघची ने टाइम मैगजीन के जिस लेख की तस्वीर साझा की, उसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के समर्थकों को टारगेट करने वाले इजरायली प्रभाव वाले ऑपरेशन के बारे में बताया गया है। मैगजीन में छपे लेख का शीर्षक था, ''ट्रंप के पूर्व-कैंपेन मैनेजर एमएजीए बेस को टारगेट करके एक इजरायली प्रभाव वाला ऑपरेशन चला रहे हैं।'' लेख में 'ब्रैड पारस्केल' की तस्वीर भी लगी है, जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के 2020 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान को मैनेज किया था। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका का ईरान पर हमलों का सिलसिला लगातार जारी है। ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ अगले दो से तीन दिनों तक युद्ध जारी रखता है, तो देश आक्रामक और विनाशकारी दौर में चला जाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सरकारी आईआरआईबी टीवी के साथ इंटरव्यू के दौरान ये चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि युद्ध और बातचीत दोनों की नीति खत्म हो गई है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि अगर अमेरिका के हमले जारी रहे, तो ईरान की सेनाएं सिर्फ जवाबी हमले तक ही सीमित नहीं रहेंगी और अमेरिकी बेस और सेनाएं किसी भी राजनीतिक सीमा के अंदर सुरक्षित नहीं रहेंगी।

शांति समझौते का उल्लंघन ट्रंप के हस्ताक्षर को अमान्य साबित करता है: मोजतबा खामेनेई

एजेंसी

तेहरान। अमेरिका और ईरान में जारी हमलों के बीच ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने कहा कि ईरान के साथ हाल ही में हस्ताक्षर किए गए शांति समझौते का अमेरिका की ओर से उल्लंघन किया जाना एक बार फिर यह साबित करता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साइन की कोई कीमत नहीं है और वह अमान्य है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने ईरानी मीडिया में छपे एक लेख के हवाले से बताया कि मोजतबा खामेनेई ने ईरानी लोगों के नाम एक संबोधन दिया, जिसमें अमेरिका के साथ एमओयू पर ये बयान दिया। इस संबोधन के दौरान उन्होंने देश के जरूरी मुद्दों पर बात की। खामेनेई ने कहा, 'दोनों देशों के बीच एमओयू पर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और ट्रंप ने 18 जून को हस्ताक्षर किया था। अमेरिकी की तरफ से इसका उल्लंघन एक बार फिर सभी को यह बात साबित कर देता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का हस्ताक्षर कितना अमूल्य और अमान्य है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका ने एक बार फिर अपना असली और बेपर्दा चेहरा दिखाया है। अपराध और वादे तोड़ने का यह बुरा अनुभव अमेरिका के झूठ बोलने और उसके बेतुके, गैर भरोसेमंद प्रकृति का एक और पक्का सबूत है। ईरानी सुप्रीम ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका युद्ध भड़काने वाली हरकतें जारी रखता है तो उसे ईरान से कभी न भूलने वाले सबक की उम्मीद करनी चाहिए। ईरान और अमेरिका की ओर से हस्ताक्षर किए गए एमओयू के तहत दोनों देशों के बीच 60 दिनों के अंदर आखिरी समझौते के लिए बातचीत करने की उम्मीद थी। अमेरिका ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ कई राउंड हमले किए हैं। वहीं ईरान ने भी खाड़ी देशों में अमेरिकी बेस और जगहों पर

जवाबी हमले किए हैं। इससे पहले, ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ एमओयू के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना बंद कर दिया है और वाशिंगटन के साथ डील के तहत अपनी प्रतिबद्धता को तोड़ने का आरोप लगाया। सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में, काजम गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका ने समझौते के तहत अपने सभी कमिटमेंट्स को असल में तोड़ा है या रोक दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान अब अपना बचाव करने पर ध्यान दे रहा है और बातचीत की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, 'अभी हमारे सामने देश की मजबूती से रक्षा करने की चुनौती है। इस बार भी, अमेरिकियों को पहले ही जवाब मिल चुका है कि इन आक्रामक कार्रवाइयों से कुछ नहीं होगा। अगर वे समझदार हैं, तो उन्हें दूसरे तरीके चुनने चाहिए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिका ने पिछले सप्ताह ईरान के दक्षिणी हिस्सों में स्थित कई सैन्य ठिकानों और रणनीतिक ढांचों पर हमले किए। वाशिंगटन का कहना है कि इन कार्रवाइयों का उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट में वाणिज्यिक जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना था। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र के कई देशों और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों व अन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए। वहीं, कुवैत और बहरीन ने दावा किया कि उनके वायु रक्षा तंत्र ने ईरान की ओर से किए गए ताजा हवाई हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। कुवैत में एक अहम तेल प्रतिष्ठान के साथ-साथ बिजली उत्पादन और समुद्री जल को मीठा बनाने (डिसेलिनेशन) वाले संयंत्र को भी निशाना बनाया गया।

फ्रांस कराची स्थित अपना वाणिज्य दूतावास स्थायी रूप से बंद करेगा

एजेंसी

पेरिस/कराची। फ्रांस ने पाकिस्तान के कराची स्थित अपने वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट) को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। यह कदम बजट में कटौती और दुनिया भर में अपने राजनयिक नेटवर्क को छोटा करने की नीति के तहत उठाया गया है। कराची में फ्रांस के महावाणिज्यदूत एलेक्सिस शहताहतिंस्की ने पुष्टि करते हुए कहा कि दूतावास के बंद होने के बावजूद पाकिस्तान के साथ फ्रांस के राजनयिक और द्विपक्षीय संबंध प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि आगे सभी राजनयिक और कांसुलर सेवाओं का संचालन इस्लामाबाद स्थित फ्रांसीसी दूतावास के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कराची में अलायंस फ्रांसेज़ (फ्रांसीसी सांस्कृतिक केंद्र) और पाकिस्तान-फ्रांस बिजनेस अलायंस अपनी गतिविधियां पहले की तरह जारी रखेंगे। इससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शैक्षणिक सहयोग और व्यापारिक संपर्कों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। फ्रांस हाल के वर्षों में अपने वैश्विक राजनयिक ढांचे की समीक्षा कर रहा है और खर्चों में कमी लाने के उद्देश्य से कई देशों में अपने कांसुलर नेटवर्क का पुनर्गठन कर रहा है। कराची स्थित वाणिज्य दूतावास को बंद करने का निर्णय भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

page 1 and 8 July 20_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/20/2026 12:14 AM Page 2

श्री अमरनाथ जी यात्रा– इतिहास, वर्तमान व्यवस्था और सुविधा

– संकलन कर्ता– चन्द्र मोहन शर्मा

श्री अमरनाथ जी की यात्रा का इतिहास सदियों पुराना है, जो हिंदू धर्मग्रंथों और स्थानीय लोक कथाओं में गहराई से समाया हुआ है।

मेरी स्मृति में है कि 1980 के पूर्वार्द्ध तक, श्री अमरनाथ भगवान शंकर जी की पवित्र छड़ी यात्रा पैदल ही, श्रावण मास की शुक्ल पक्ष पंचमी के दिन, बड़ी धूमधाम, हर्षोल्लास, भजन कीर्तन, झांझ, मंजीरे, ढोल, चिमटे, शंख, नरसिंघे की मंगल ध्वनि और धर्म की जय घोष के बीच आदरणीय छड़ी महन्त जी की अगुवाई में

सेंकड़ों साधू-संतों और भक्तों के साथ दशनामी अखाड़ा, बड़शाह चौक, श्रीनगर से सायं काल में विधिवत पूजन अर्चन उपरांत अमरनाथ जी की पवित्र गुफा के लिए प्रस्थान करती थी। आगे आगे पुलिस बैंड की धुन और पीछे पीछे पुलिस संरक्षण भी रहता। दुर्गा नाग मंदिर तक होटल रोड़/ मौलाना आज़ाद रोड़ के दोनों ओर भक्त जन पवित्र छड़ी पर पुष्प वर्षा और जय घोष करते और फिर भावपूर्ण पहुनाई के लिए नंगे पाँव पीछे पीछे चलते जाते। इसी प्रकार दुर्गा नाग मंदिर में पूजन उपरांत पवित्र छड़ी यात्रा पदमपुर अथवा अवंतिपुर पहुंचती, जहाँ रात्रि विश्राम होता।

दशनामी अखाड़ा मन्दिर से प्रस्थान पूर्व अलग अलग विषेश दिनों पर छड़ी महन्त जी की अगुवाई में पवित्र छड़ी, साधु और श्रद्धालु यात्रीगण सहित श्रीनगर के शंकराचार्य मन्दिर, आबीगुज़र मन्दिर आदि में भगवान के विग्रह के दर्शन पाते, पूजा अर्चन होती, भण्डारा प्रसाद पाते और पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता।

यात्रा के दूसरे दिन बिजबिहारा अथवा अनंतनाग, तीसरे दिन मटन अथवा ऐशमुकाम, चौथे दिन पहलगाम, पाँचवें दिन चंदनवाड़ी, छठे दिन शेषनाग, सातवें दिन पंचतरणी, पहुंच कर रात विश्राम होता। अगले दिन पंचतरणी से यात्रीगण श्रावण पूर्णिमा वाले दिन प्रातः कालीन दर्शन के लिए गुफा के लिए प्रस्थान करते।

तदुपरांत पूरी स्थिति बदल गई। आतंकवाद बढ़ते बढ़ते चर्म पर पहुंच गया। स्थानीय हिन्दुओं का कश्मीर से पलायन हो गया। यात्रा थम गई। वर्षों के उतार-चढ़ाव उपरांत मज़बूत सुरक्षा व्यवस्था के बीच यात्रा फिर से प्रारम्भ हुई, परन्तु अनुकूल वातावरण बनाने का वास्तविक प्रयास जम्मू-कश्मीर राय को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद ही शुरू हुआ।

संख्या

इस वर्ष अभी तक पिछले 14 दिनों में लगभग 3.5 लाख यात्रीगण दर्शन कर चुके हैं। यदि मौसम और सुरक्षा की स्थिति ठीक रही तो, 2026 वर्ष में 57 दिन की निर्धारित यात्रा का आंकड़ा 10 लाख पार कर सकता है। गत कुछ वर्षों में यात्रियों की संख्या इस प्रकार रही- वर्ष 2016: 3.54 लाख; 2020: 2.60 लाख; 2025: 5.10 लाख

इतिहास

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव ने इसी गुफा में माता पार्वती को अमर कथा (अमरत्व का रहस्य) सुनाई थी।

जिसे सुनकर सद्योजात शुक-शिशु शुकदेव जी ऋषि के रूप में अमर हो गये थे। गुफा में आज भी श्रद्धालुओं को कबूतरों का एक जोड़ा दिखाई दे जाता है, जिन्हें श्रद्धालु अमर पक्षी बताते हैं।

ऐतिहासिक और आधुनिक संदर्भ में, इस पवित्र तीर्थ का उल्लेख विभिन्न प्राचीन कालों में मिलता है-

पौराणिक कथा

माना जाता है कि महर्षि भृगु ने सबसे पहले इस पवित्र गुफा और बर्फ से बने प्राकृतिक शिवलिंग की खोज की थी।

अमर कथा सुनाने के लिए शिवजी ने अपने असंख्य छोटे छोटे नागों को अनंतनाग में, पहलगाम में नंदी को, चंदनवाड़ी में चंद्रमा, अन्य पिस्सुओं को पिस्सू टॉप पर, शेषनाग में गले के नाग और पंचतरणी में पांचों तत्वों को छोड़ दिया था।

राजतरंगिणी और नीलमत पुराण

अमरनाथ गुफा को भारतीय पुरातत्व विभाग 5 हजार वर्ष प्राचीन (यानी महाभारत काल) से मानता है।

6वीं शताब्दी के नीलमत पुराण और 12वीं सदी में कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी (कश्मीर का इतिहास) में अमरेश्वर या अमरनाथ का स्पष्ट उल्लेख मिलता है।

कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इसका उल्लेख है कि कश्मीर के राजा सामदी मत शैव थे और वह पहलगाम के वनों में स्थित बर्फ के शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने जाते थे। ज्ञात हो कि बर्फ का शिवलिंग अमरनाथ को छोड़कर और कहीं नहीं है।

इन ग्रंथों के अनुसार, प्राचीन काल में कश्मीर की रानी सूर्यमती ने इस तीर्थयात्रियों को त्रिशूल और अन्य पवित्र चिन्ह भेंट किए थे।

बूटा मलिक की किंवदंती (15वीं शताब्दी)-

आधुनिक इतिहास में अमरनाथ यात्रा को पुनर्जीवित करने का श्रेय एक स्थानीय मुस्लिम गड़ेरिये बूटा मलिक को दिया जाता है।

लोककथाओं के अनुसार, एक संत ने उन्हें कोयले से भरी एक बोरी दी थी जो घर पहुंचने पर सोने में बदल गई।

इस चमत्कार से प्रभावित होकर जब बूटा मलिक साधु को धन्यवाद देने गए, तो वहां कोई नहीं था, बल्कि एक गुफा और बर्फ का शिवलिंग दिखाई दिया।

इसके बाद उन्होंने इस स्थान की खोज की और तब से मलिक परिवार इस यात्रा से जुड़े प्रबंधों में पीढ़ी दर पीढ़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

यह पवित्र गुफा श्रीनगर के उत्तर-पूर्व में लगभग 135 किमी दूर, 13, 600 द्धह्ल (3,888 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित है।

इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। गुफा 11 मीटर ऊँची है

आषाढ़ पूर्णिमा से विधिवत शुरू होकर रक्षाबंधन तक पूरे श्रावण महीने में होने वाले पवित्र हिमलिंग दर्शन के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु पहलगाम या बालटाल मार्गों से होकर बाबा अमरनाथ जी के दर्शन के लिए दुर्गम हिमालय की यात्रा करते हैं।

मूल अमरनाथ शिवलिंग से कई फुट दूर गणेश, भैरव और पार्वती के वैसे ही अलग अलग हिमखंड हैं।

गुरु नानक देव जी, स्वामी विवेकानंद जी, स्वामी युक्तेश्वर गिरि जी, स्वामी योगानंद परमहंस जी, और असंख्य उच कोटि के संत महात्माओं, और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग इस आध्यात्मिक यात्रा का लाभ उठा चुके हैं।

अमरनाथ यात्रा पर जाने के भी दो रास्ते हैं। एक पहलगाम होकर और दूसरा सोनमर्ग के समीप बालटाल से।

पहलगाम या बालटाल तक किसी भी सवारी से पहुँचें, यहाँ से आगे जाने के लिए पैदल, पालकी अथवा खचर पर ही जाना होगा। अशक्त या वृद्धों के लिए सवारियों का प्रबंध किया जा सकता है।

पहलगाम से जाने वाले रास्ते को सरल और सुविधाजनक समझा जाता है।

बालटाल से अमरनाथ गुफा की दूरी केवल 14 किलोमीटर है लेकिन यह बहुत ही दुर्गम रास्ता है,

पहलगाम जम्मू से 315 किलोमीटर की दूरी पर है। यह विख्यात पर्यटन स्थल भी है और यहाँ का नैसर्गिक सौंदर्य देखते ही बनता है।

गैर सरकारी संस्थाओं की ओर से निर्धारित स्थानों पर लंगर की व्यवस्था की जाती है।

पहलगाम के बाद पहला पड़ाव चंदनवाड़ी है, जो पहलगाम से आठ किलोमीटर की दूरी पर है। पहली रात तीर्थयात्री यहीं बिताते हैं।

दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई शुरू होती है। लिद्दर नदी के किनारे-किनारे पहले चरण की यह यात्रा यादा कठिन नहीं है। चंदनवाड़ी से आगे इसी नदी पर बर्फ का पुल है।

चंदनवाड़ी से 14 किलोमीटर दूर

शेषनाग में अगला पड़ाव है। यह मार्ग खड़ी चढ़ाई वाला और खतरनाक है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं।

अमरनाथ यात्रा में पिस्सू घाटी काफी जोखिम भरा स्थल है। पिस्सू घाटी समुद्रतल से 11,120 फुट की ऊँचाई पर है। यहाँ पर्वतमालाओं के बीच नीले पानी की खूबसूरत झील है। यह झील करीब डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली है। किंवदंतियों के मुताबिक शेषनाग झील में शेषनाग का वास है और चौबीस घंटों के अंदर शेषनाग एक बार झील के बाहर दर्शन देते हैं, लेकिन यह दर्शन खुशनसीबों को ही नसीब होते हैं। तीर्थयात्री यहाँ रात्रि विश्राम करते हैं और यहीं से तीसरे दिन की यात्रा शुरू करते हैं।

शेषनाग से पंचतरणी आठ मील के फासले पर है। मार्ग में बैववैल टॉप और महागुणस दर्रे

को पार करना पड़ता हैं, जिनकी समुद्रतल से ऊँचाई क्रमशः 13,500 फुट व 14,500 फुट है।

महागुणस चोटी से पंचतरणी तक का सारा रास्ता उतराई का है। यहाँ पांच छोटी-छोटी सरिताएँ बहने के कारण ही इस स्थल का नाम पंचतरणी पड़ा है। यह स्थान चारों तरफ से पहाड़ों की ऊंची-ऊंची चोटियों से ढका है। ऊँचाई की वजह से ठंड भी यादा होती है। ऑक्सीजन की कमी की वजह से तीर्थयात्रियों को यहाँ सुरक्षा के इंतजाम करने पड़ते हैं। अमरनाथ की गुफा यहाँ से केवल आठ किलोमीटर दूर रह जाती हैं और रास्ते में बर्फ ही बर्फ जमी रहती है। इसी दिन गुफा के नजदीक पहुँच कर पड़ाव डाल रात बिता सकते हैं और दूसरे दिन सुबह पूजा अर्चना कर पंचतरणी लौटा जा सकता है।

कुछ यात्री शाम तक शेषनाग तक वापस पहुँच जाते हैं। यह रास्ता काफी कठिन है, लेकिन अमरनाथ की पवित्र गुफा में पहुँचते ही सफर की सारी थकान पल भर में छू-मंतर हो जाती है और अद्भुत आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है।

जम्मू से बालटाल की दूरी 400 किलोमीटर है। बालटाल कैंप से तीर्थयात्री एक दिन में अमरनाथ गुफा की यात्रा कर वापस कैंप लौट सकते हैं।

स्वछता के प्रबंध

2026 अमरनाथ यात्रा को स्वछ भारत मिशन अर्बन 2.0 के तहत ℱजीरो लैंडफिल, प्लास्टिक फ्री और इको-फ्रेंडलीℱ बनाया जा रहा है, जिसमें 4,000+ सफाईकर्मी, सख्त कचरा पृथक्करण और सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध शामिल है।

- मुख्य स्वछता पहल
- स्वछ भारत मिशन अर्बन 2.0 संरेखण- सभी 44 झोपा केंद्र और लंगर स्थल स्रोत पर कचरा अलग करने, समय पर एकत्र करने, सुरक्षित परिवहन और स्थायी प्रोसेसिंग के माध्यम से कचरा प्रबंधित कर रहे हैं।
- सफाई अवसंरचना- 1,400+ शौचालय, 9700 बाथरूम और 300+ मूत्रालयों की नियमित सफाई और कीटाणुशोधन किया जा रहा है, और रखरखाव के लिए समर्पित कर्मचारी हैं।
- सफाई कार्यबल- 500 से अधिक सफाई मित्र शिफ्ट में 24×7 काम करते हैं, सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई करते हैं, शौचालयों का रखरखाव करते हैं और स्वछता सुनिश्चित करते हैं।
- तीर्थयात्रियों की प्रतिक्रिया- क्यूआर सक्षम फीडबैक सिस्टम वास्तविक समय में शौचालय उपयोग डेटा कैप्चर करता है, जिससे तेज सफाई और सुधार संभव होता है।
- कचरा प्रबंधन और इको-फ्रेंडली उपाय
- प्लास्टिक प्रतिबंध- सिंगल यूज़ प्लास्टिक पूरी तरह से निषिद्ध है; कपड़े/जूट के बैग वितरित किए जाते हैं।
- खचर की गोबर से बायोफ्यूल- विशेष मशीनें रास्तों पर खचर की गोबर एकत्र करती हैं जो बायोगैस प्लांट्स के लिए इस्तेमाल होती है, जिससे कचरे में कमी आती है और नवीकरणीय ऊर्जा पैदा होती है।
- अलगाव और प्रक्रिया- कचरे को गीला, सूखा, स्वछता वाला और विशेष श्रेणियों में बाँटा जाता है और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रुल्स 2026 के अनुसार प्रोसेस किया जाता है।
- जागरूकता अभियान- तीर्थयात्रियों को बार-बार इस्तेमाल होने वाले बैग ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है; डस्टबिन और स्वयंसेवकों द्वारा सफाई अभियान चलाए जाते हैं।

निगरानी और अभियान

शुभम-शिवम सफाई अभियान- लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने बालटाल बेस कैंप में लॉन्च किया, इसका फोकस इको-फ्रेंडली, सतत और ज़ीरो लैंडफिल यात्रा व्यवस्था पर है।

- स्वछता ऑडिट- बालटाल मार्ग पर व्यापक ऑडिट किए जाते हैं ताकि पीने का पानी लगातार उपलब्ध रहे और उच स्वछता मानक बनाए रहें।

ज़ समन्वय- डिविजनल कमिश्नर जम्मू और एलजी सिन्हा ने सभी लॉजमेंट और लंगर साइटों पर आवश्यक सेवाऐं लगातार चलाने, समय पर कचरा हटाने और सफाई की कड़ी निगरानी करने का निर्देश दिया है।

प्रभाव

8 जुलाई तक, लगभग 1.5 लाख तीर्थयात्रियों ने स्वछता सुविधाओं का उपयोग किया।

दैनिक कचरे का उत्पादन 18.76 टन कम हुआ है। जो है, उसे व्यवस्थित रूप से प्रबंधित किया जा रहा है। इन संयुक्त उपायों का उद्देश्य यात्रा मार्ग को साफ रखना, हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करना, और भक्तों के लिए स्वछ, सम्मानपूर्ण वातावरण प्रदान करना है।

आनलाईन पंजीकरण की सुविधा

अमरनाथ यात्रा 2026 की आध्यात्मिक शुरुआत 19 जून को पारंपरिक प्रथम पूजा के साथ हो गई है।

मुख्य तीर्थयात्रा 3 जुलाई से शुरू हो गई है। और इस साल 28 अगस्त को समाप्त होगी।

सुरक्षा बल पहाड़ी रास्तों पर निगरानी में जुटे हैं। श्रद्धालुओं के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (ऋस्न्नद्भ) टैग साथ रखना अनिवार्य है। इन टैग्स की मदद से प्रशासन रियल-टाइम में यात्रियों की लोकेशन ट्रैक कर सकेगा।

श्रद्धालुओं को अपनी यात्रा से कम से कम सात दिन पहले रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (ड्डस्क्) ऑनलाइन आवेदन के लिए आधिकारिक पोर्टल का संचालन करता है।

सलाह

यात्रा के लिए अधिकृत डॉक्टर से अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र (ष्ट।ष्ट) लेना जरूरी है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आप अधिक ऊंचाई पर यात्रा करने के लिए फिट हैं।

सुरक्षा कारणों से इसमें उम्र की सीमा भी तय की गई है, जिसके तहत 13 साल से कम उम्र के बचों का रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा सकता।

श्रद्धालुओं को सलाह दी जाती है कि वे रात में रुकने के लिए निर्धारित कैंपों में ही बुकिंग करें, जहां खाने-पीने और चिकित्सा की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं।

अपने साथ हमेशा गर्म कपड़े और वाटरप्रूफ गियर (रेनकोट आदि) रखें। सुरक्षा के लिहाज से काफिले की आवाजाही के दौरान आधिकारिक निर्देशों का पालन करें।

एक सफल आध्यात्मिक यात्रा के लिए पहले से प्लानिंग करना सबसे जरूरी है।

मौसम के लाइव अपडेट के लिए श्राइन बोर्ड के आधिकारिक ऐप का उपयोग करें।

यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नंबर अपने पास रखें।

यह पवित्र यात्रा आत्मिक शांति और आध्यात्मिक अनुभव का एक अनूठा अवसर है। आखिरी समय की भीड़ और परेशानी से बचने के लिए अपनी बुकिंग जल्द से जल्द पूरी कर लें।

साहिब बंदगी द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

जम्मू। साहिब बंदगी के सद्गुरु श्री मधुपरमहंस जी महाराज ने आज अखनूर, जम्मू में अपने प्रवचनों की अमृत वर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि सारा संसार एक शैतानी ताकत के हाथ में है। वो जो चाहता है करवा लेता है।

पूरी दुनिया पेट के धंधे में उलझी हुई है। आत्मा के कल्याण के लिए कोई भी तैयार नहीं है। अन्दर में बहुत गड़बड़ हो रही है। जब आप अपने को मथोगे तो मन नजर आयेगा। वो ही अन्दर बैठकर आपको भटका रहा है। पूरे शरीर को खंगालोगे तो मन ही निकलेगा। इंद्री भी मन है। मन भी मन है। मन बहुत शक्तिशाली है। सबको नचा रहा है। जितना साहिब मन पर बोले, इतना किसी पर नहीं बोले। साहिब ने कहा कि जीव के संग मन रूपी काल रह रहा है, पर कोई उसको समझ नहीं पा रहा है।

आप देखें कि पहले स्टेशनों पर शीतल पेय जल होता था। आजकल पानी माफिया लोगों ने उसको हटा दिया। अब बोलते बिकती हैं। आज हर आदमी अपने साथ पानी पीने की बोलत रख रहा है। भ्रष्टाचार बढ़ गया।

अगर आप देखेंगे तो एक शैतानी ताकत रह रही है। एक आदमी मेरे पास आया, बोला कि मेरी बीबी के अन्दर भूत रहता है। मैंने उसको कहा कि तेरे साथ भी 14 भूत हैं। वो मुझे अचरज से देखने लगा कि गुरु जी तो झूठ बोल रहा है, मेरे अन्दर तो कोई भूत नहीं है। जब भूत आदमी पर सवार होता है तो उसकी होश को खत्म करता है, इस तरह काम, क्रोध, दंभ, लोभ, मोह आदि ये भूत हैं। ये हरेक के अन्दर रह रहे हैं। आप नहीं देखते हैं कि जब आदमी को गुस्सा आ जाता है तो पागल हो जाता है। मार-काट करता है। हरेक के हृदय में यम के 14 दूत बसे हुए हैं। ये मौका पाकर उठते हैं। जब काम उठता है तो बड़े बड़ों की खौपड़ी घुमा देता है।

जब भी प्रेतात्मा किसी के अन्दर घुसती है तो उसकी चेतना को दबाती है। इस तरह उसे अपनी बीबी के भूत दिखाई दिये, पर अपने अन्दर के भूत नहीं दिखे।

एलन मस्क ने जो गाड़ियाँ बनाई, उसे ड्राईवर की जरूरत नहीं है। आगे हवाज जहाज भी ऐसे होंगे। पर मुझे कुछ भी अचरज नहीं लगता है। मनुष्य ने भौतकीय विकास काफी किया, पर अन्तर में कोई देख ही नहीं रहा है। माया का पूरा परिवार इसमें रह रहा है। शरीर में बहुत लूट हो रही है। शरीर में जो शैतानी ताकतें रह रही हैं, वो आत्मा को जगने नहीं दे रहे हैं। वो अन्दर में नहीं झांकने दे रहे। ये सबको बाहर भटका रहे हैं।

कोलकाता में देश के पहले 'शब्द संग्रहालय' का उद्घाटन, अमित शाह बोले– भाषा हमारी संस्कृति और विरासत की पहचान

कोलकाता, 19 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में भारत के पहले 'शब्द संग्रहालय' म्यूजियम ऑफ वर्ड का उद्घाटन किया। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तकालय द्वारा विकसित यह संग्रहालय देश की भाषाई विरासत, लिपियों और साहित्यिक परंपराओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि किसी भी देश की भाषा उसकी संस्कृति, इतिहास और विरासत की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि भाषा के माध्यम से किसी राष्ट्र की सभ्यता और उसके जीवन मूल्यों को समझा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी मातृभाषा के साथ कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा सीखने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे भारत की सांस्कृतिक विविधता को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने पुस्तकालयों की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि किसी राष्ट्र का भविष्य केवल महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि कितने लोग पुस्तकालयों का उपयोग कर ज्ञान अर्जित करते हैं। पढ़ने की संस्कृति ही समाज को वैचारिक रूप से समृद्ध बनाती है। अमित शाह ने बंगाल की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस धरती ने देश को अनेक महान साहित्यकार, वैज्ञानिक, क्रांतिकारी और विद्वान दिए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल एक बार फिर देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि वह पिछले नौ महीनों से पश्चिम बंगाल की प्रगति पर नजर रख रहे हैं और राज्य देश का ℱप्रकाश स्तंभℱ बनता जा रहा है। शाह ने राज्य की भाजपा सरकार की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में ℱसोनार बांग्लाℱ के निर्माण का संकल्प अवश्य पूरा होगा। इस संग्रहालय के प्रथम चरण में भारतीय भाषाओं, लिपियों और साहित्य की विविधता को प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय को पारंपरिक प्रदर्शनी स्थल के बजाय एक आधुनिक अनुभवात्मक केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां डिजिटल डिस्प्ले, होलोग्राम, मोशन सेंसर और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से आगंतुक भारतीय भाषाओं के विकास की यात्रा को करीब से देख और महसूस कर सकते हैं।